Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 139
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,19 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

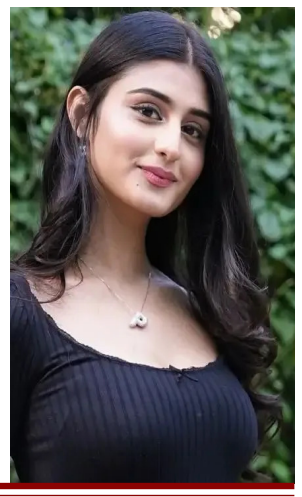

3 सपा महिला नेताओं का नीतीश कुमार-संजय निषाद

4 सियासत में हाई कमान संस्कृति से हम क्या समझें

5 पायल गेमिंग के सपोर्ट में आई अंजलि अरोड़ा, बयां किया अपना दर्द

भारत-ओमान व्यापार समझौता:

खाड़ी क्षेत्र में भारतीय उत्पादों के लिए खुला रास्ता

जानिए डील में क्या-क्या खास

नई दिल्ली : भारत-ओमान के बीच ऐतिहासिक सीईपीए समझौते पर हस्ताक्षर। जानें कैसे यह डील भारतीय निर्यातकों, आयुष सेक्टर और पेशेवरों के लिए खाड़ी देशों में शुल्क माफी और 100% FDI के साथ प्रगति के नए द्वार खोलेगी। भारत और ओमान ने आज अपने आर्थिक संबंधों में एक नए युग की शुरूआत की है। दोनों देशों के बीच गुरुवार को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता न केवल भारतीय निर्यातकों के लिए भारी अवसर लेकर आया है, बल्कि 2006 में अमेरिका के साथ हुए समझौते के बाद ओमान की ओर से किसी भी देश के साथ किया गया यह पहला द्विपक्षीय व्यापार समझौता है। व्यापारिक नजरिये से देखें तो वित्त वर्ष

वस्तुओं का व्यापार : भारतीय उत्पादों की 'ड्यूटी-फ्री' एंट्री

2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है। ओमान में करीब सात लाख भारतीय रहते हैं, जो सालाना लगभग 2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा भारत भेजते हैं। यह समझौता इन संबंधों को और मजबूती प्रदान करेगा। आइए जानते हैं समझौते से जुड़ी खास बातें 1. वस्तुओं का व्यापार: भारतीय उत्पादों की 'ड्यूटी-फ्री' एंट्री इस समझौते के तहत ओमान ने भारत के 99.38% निर्यात (मूल्य के आधार पर) के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। जीरो ड्यूटी एक्सेसः ओमान ने अपनी 98.08% टैरिफ लाइनों पर जीरो-ड्यूटी की पेशकश की है। इनमें से 97.96% टैरिफ लाइनों पर शुल्क तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया जाएगा। प्रमुख क्षेत्रों जैसे रत्न एवं आभूषण, कपड़ा, चमड़ा, जूते, खेल का सामान, इंजीनियरिंग उत्पाद, फार्मा और ऑटो जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पूर्ण शुल्क छूट मिलेगी। पारंपरिक चिकित्सा यानी आयुष पर भी एफटीए में फैसला लिया गया। पहली बार किसी देश ने पारंपरिक चिकित्सा के सभी माध्यमों पर प्रतिबद्धता जताई है, जिससे भारत के आयुष और वेलनेस क्षेत्र के लिए वैश्विक अवसर पैदा होंगे। फार्मा क्षेत्र में तेजी आएगी। यूएसएफडीए, ईएमए और यूकेएमएचआरए जैसी वैश्विक संस्थाओं की ओर से अनुमोदित भारतीय दवाओं को ओमान में मार्केटिंग की अनुमति मिलने में अब देरी नहीं होगी। 2. सेवाओं का व्यापार और पेशेवर आवाजाही ओमान का सेवाओं का कुल आयात लगभग 12.52 अरब डॉलर है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी वर्तमान में मात्र 5.31% है। यह समझौता इस गैप को भरने का काम करेगा। मोड 4 यानी पेशेवर आवाजाही पर भी एफटीए में चीजें साफ हुई हैं। पहली बार ओमान ने भारतीय पेशेवरों की आवाजाही पर व्यापक रियायतें दी हैं।

सीएम ने रिमोट से भातखंडे विश्वविद्यालय का 15 रुपए का डाक टिकट दिखाया

लखनऊ। अवस्थीजी कहां हैं? आप अकेले आई हैं?य मुझे उन्होंने ही सुबह समारोह की सूचना दी और खुद गायब हो गए, वह भी अच्छे कलाकार हैं। सीएम योगी ने लखनऊ में लोक गायिका मालिनी अवस्थी से हुए इस संवाद के बारे में बताया तो पूरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा। मौका था भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष समारोह का। सीएम योगी, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। समारोह में कथक नृत्यांगना पूर्णिमा पांडेय, मालिनी अवस्थी सहित चार पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित करते हुए उन्होंने लोक गायिका मालिनी अवस्थी से ये बातें पूछी थीं। फिर बाद में उन्होंने भाषण के दौरान सबको बताई। दरअसल, भातखंडे विश्वविद्यालय अपने 100 वर्ष की यात्रा को सेलिब्रेट कर रहा है। इस दौरान सीएम ने रिमोट से विश्वविद्यालय का 15 रुपए का डाक टिकट दिखाया। समारोह की विशिष्ट अतिथि मशहूर नृत्यांगना पद्म विभूषण डॉक्टर सोनल मानसिंह रहीं। मुख्यमंत्री के अलावा मेयर सुषमा खर्कवाल, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, डब्रू रामचंद्र प्रधान, एमएलसी अविनाश सिंह, एमएलए नीरज बोरा, प्रमुख सचिव अमृत अभिजात भी पहुंचे। बता दें कि मालिनी अवस्थी, पूर्व सीनियर आईएएस अवनीश अवस्थी की पत्नी हैं। पूर्व आईएएस, सीएम योगी के भरोसेमंद अधिकारी रह चुके हैं। सीएम योगी ने कहा 1940 में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने इस संस्थान को एक विश्वविद्यालय के रूप में संबोधित किया।

सार संक्षेप

सारण: धर्मनाथ मंदिर से 20 लाख रुपये से अधिक की चोरी, एफआईआर दर्ज

छपरा। बिहार में सारण जिला मुख्यालय के भगवान बाजार थाना क्षेत्र स्थित धर्मनाथ मंदिर में की देर रात चोरी की घटना हुई है। इस मामले में मंदिर के मुख्य पुजारी अमित पर्वत ने आज भगवान बाजार थाना प्रभारी को दिये गये आवेदन में कहा है कि गुरुवार की सुबह जब वे मंदिर पहुंचे तो मंदिर के दानपात्र को टूटा हुआ देखा। साथ ही मंदिर का ताला भी टूटा हुआ पाया गया। मंदिर में स्थापित मां दुर्गा को पहनाये गये सोने- चांदी का आभूषण और चांदी का छत्र भी गम था। उन्होंने लगभग 20 लाख रुपये से अधिक राशि की चोरी होने की जानकारी अपने आवेदन में दी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने प्राप्त आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करने के साथ ही घटना स्थल का निरीक्षण किया।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार का निधन

नईदिल्ली। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे और वृद्धावस्था संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। सरदार वल्लभभाई पटेल की विशाल प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी गुजरात में स्थापित की गई है। शिल्पकार के पुत्र अनिल सुतार ने बृहस्पतिवार को प्रेस के साथ साझा किए एक नोट में कहा, अत्यंत दुख के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि मेरे पिता श्री राम वनजी सुतार का 17 दिसंबर की मध्यरात्रि को हमारे निवास पर निधन हो गया। राम सुतार का जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र के धुले जिले के गोंडूर गांव के एक साधारण परिवार में हुआ था।

प्रदूषण को लेकर कर दिया बड़ा दावा

मुख्यमंत्री रेखा ने 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हम दिल्ली-धारूहेरा मार्ग पर दिल्ली अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू कर रहे हैं... यह अपने आप में अंतरराज्यीय संपर्क के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है... और इसके साथ ही आज से सड़कों पर 100 नई इलेक्ट्रिक बसें जुड़ जाएंगी... प्रदूषण उन्मूलन का सबसे कारगर उपाय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करना है, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने निजी वाहनों को छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के आईएसबीटी (अंतरराज्यीय बस टर्मिनल) से नई इलेक्ट्रिक बसों और एक अंतरराज्यीय बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिल्ली-धारूहेरा नामक इस नई अंतरराज्यीय बस सेवा का उद्देश्य दोनों शहरों के बीच संपर्क को मजबूत करना है। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने इस सेवा को अंतरराज्यीय संपर्क के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण उन्मूलन का सबसे कारगर तरीका इलेक्ट्रिक बसें हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हम दिल्ली-धारूहेरा मार्ग पर दिल्ली अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू कर रहे हैं... यह अपने आप में अंतरराज्यीय संपर्क के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है... और इसके साथ ही आज से सड़कों पर 100 नई इलेक्ट्रिक बसें जुड़ जाएंगी... प्रदूषण उन्मूलन का सबसे कारगर उपाय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करना है, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने निजी वाहनों को छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों को देखते हुए, मैं कुछ बिंदुओं पर प्रकाश डालना चाहूंगी। सबसे पहले, वर्तमान में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 3400 है, जो अगले साल तक बढ़ जाएगी, और यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि हमारा पूरा बस बेड़ा पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसों से लैस हो जाए... इसके अलावा, पिछली सरकार के शासनकाल में कई वर्षों तक बंद रही विश्वविद्यालय बसों को फिर से शुरू कर दिया गया है। हमारी इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन लगाए जा रहे हैं। वर्तमान में हम जिस इलेक्ट्रिक बेड़े का उपयोग कर रहे हैं, उसके लिए चार्जिंग सुविधाओं से लैस बस डिपो की आवश्यकता है। इसलिए, हम सभी बस डिपो का नवीनीकरण कर रहे हैं और वहां चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अन्य पहलों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें नए स्वचालित परीक्षण केंद्रों का निर्माण और महिलाओं के लिए एक नई पिंक कार्ड प्रणाली शामिल है, जो उन्हें मुफ्त यात्रा करने की सुविधा प्रदान करेगी।

श्रम संहिताएं रोजगार को संगठित रूप देंगी, निरीक्षकों की भूमिका सुविधा प्रदान करने वाली: मांडविया

नई दिल्ली : श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में लागू किए गए श्रम कानून के मनमाने तरीके से नौकरी पर रखने व निकालने और इंस्पेक्टर राज को बढ़ावा देने की चिंताओं को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया और कहा कि नए कानून रोजगार को संगठित रूप देंगे जबकि निरीक्षक चीजों को सुगम बनाने की भूमिका निभाएंगे। नए नियमों के तहत, 300 कर्मचारियों वाली इकाइयों में छंटनी, कर्मचारियों की कटौती एवं इकाइयों को बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। पहले 100 कर्मचारियों वाली इकाइयों को ऐसी अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। मांडविया ने कहा, हमने देश में रोजगार को संगठित रूप दिया है और प्रति इकाई श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर 300 कर दी है, जो पहले 100 थी। उन्होंने कहा कि पहले नियोक्ता कानूनी झंझटों से बचने के लिए 100 श्रमिकों को औपचारिक रोजगार देते थे और बाकी को असंगठित रूप से नियोजित करते थे। मांडविया ने कहा कि नए नियमों ने इन बचे हुए श्रमिकों के रोजगार को संगठित रूप दे दिया है और उन्हें वे सभी लाभ मिलेंगे जो एक पंजीकृत कर्मचारी को मिलते हैं। अनुपालन का बोझ बढ़ाकर इंस्पेक्टर राज को बढ़ावा देने की चिंताओं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि निरीक्षक किसी उद्योग के काम में बाधा डालने वाला नहीं बल्कि सुविधादाता होगा। मंत्री ने कहा कि वे (निरीक्षक) अग्नि सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा जैसे सभी सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करेंगे जो विशेष रूप से खनन क्षेत्र में महिलाओं को रात्रिकालीन पाली में काम करने की अनुमति देने के लिए आवश्यक शर्तें हैं।

ममता बनर्जी ने केंद्र पर निशाना साधा

राज्य में गांधी के नाम पर रखेंगे रोजगार योजना का नाम

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 20 साल पुराने मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत-जी राम योजना करने के कदम को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार अपने ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 20 साल पुराने मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत-जी राम योजना करने के कदम को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार अपने ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेगी। बनर्जी

ने यहां आयोजित एक व्यापार और उद्योग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कुछ राजनीतिक दल हमारे राष्ट्रीय महापुरुषों का सम्मान करने में विफल रहते हैं, तो वह हम करेंगे। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा का नाम नहीं लिया। बनर्जी की ओर से यह घोषणा ऐसे समय आयी जब लोकसभा ने विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 पारित कर दिया जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। बनर्जी ने धन धान्य सभागार में आयोजित कारोबारी बैठक को संबोधित करते हुए कहा, मुझे शर्म महसूस होती है कि उन्होंने मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने का फैसला किया है, क्योंकि मैं भी इसी देश की हूं। अब हम राष्ट्रपिता तक को भूला रहे हैं। उन्होंने कहा, अब हम अपने राज्य की कर्मश्री योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेंगे।

पंजाब ग्रामीण चुनावों में आप की शानदार जीत मान सरकार पर मुहर : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पंजाब में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में उनकी पार्टी के जोरदार प्रदर्शन से यह पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों पर अपनी मुहर लगाई है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पंजाब में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में उनकी पार्टी के जोरदार प्रदर्शन से यह पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों पर अपनी मुहर लगाई

है। केजरीवाल ने कहा, जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में लगभग 70 प्रतिशत सीट आम आदमी पार्टी ने जीती हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत बड़ी बात है। इससे पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भगवंत मान के नेतृत्व में आप सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर अपनी मुहर लगाई है। पार्टी प्रमुख ने कहा कि 2027 में पंजाब विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव से लगभग एक साल पहले यह चुनाव हुआ है। केजरीवाल ने कहा कि जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए गए हैं, साथ ही मतदान और मतगणना की वीडियोग्राफी भी की गई थी। उन्होंने बताया कि कुल सीट में से 580 ऐसी सीट थीं जहां जीत का अंतर 100 मतों से कम था और इनमें से आप ने 261 सीट जीतीं जबकि विपक्ष ने 319 सीट पर जीत दर्ज की। यह दिखाता है कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए गए थे। चुनावों के अब तक घोषित परिणामों के अनुसार, पंजाब में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) आगे चल रही है। मतपत्रों की गिनती अभी जारी है, इसलिए पूर्ण परिणाम अभी घोषित नहीं किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, 22 जिला परिषदों के 347 जोन और 153 पंचायत समितियों के 2,838 जोन के सदस्यों के चुनाव के लिए 14 दिसंबर को मतदान हुआ था।

मनरेगा की योजनाबद्ध हत्या की जा रही है, बापू के प्रति प्रधानमंत्री का सम्मान दिखावटी: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मनरेगा का सिर्फ नाम नहीं बदला जा रहा है, बल्कि इस योजना की योजनाबद्ध हत्या की जा रही है तथा विदेशी धरती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाया जाना सिर्फ दिखावा है। खरगे ने संसद परिसर में विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के बाद यह भी कहा कि मनरेगा का नाम बदलने के सरकार के कदम का कांग्रेस सड़क से संसद तक पुरजोर विरोध करेगी। संसद परिसर में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, खरगे, और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने गरीबों का अधिकार वापस दो और तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, आज बात सिर्फ मनरेगा के नाम बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह काम के अधिकार को छीने जाने की बात है। सरकार उस अधिकार को छीन रही है, जो हमने दिया था। इस नए कानून में सरकार का जब मन होगा, तब वह काम देगी.. बाद में यह बोलकर काम देने से मना कर देगी कि अभी मांग नहीं है। उनका कहना था कि यह एक बड़ा मुद्दा है और पिछड़े वर्ग, दलित वर्ग के साथ गरीबों के अधिकारों पर हमला है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हम लोगों के अधिकार के लिए हर राज्य और जिले में लड़ेंगे। ये सिर्फ महात्मा गांधी जी के नाम की बात नहीं है, बल्कि सवाल अधिकारों का भी है।बाद में उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, यह केवल महात्मा गांधी नरेगा के नाम बदलने की बात नहीं है। यह भाजपा-आरएसएस की मनरेगा को खत्म करने की साजिश है। संघ के सौ साल पर गांधी का नाम मिटाना ये दिखाता है कि जो मोदी जी विदेशी धरती पर बापू को फूल चढ़ाते हैं, वो कितने खोखले और दिखावटी हैं। उन्होंने दावा किया कि जो सरकार गरीब के हक से चिढ़ती हो, वही मनरेगा पर वार करती है। खरगे ने आरोप लगाया कि यह मनरेगा का केवल नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार योजना की योजनाबद्ध हत्या है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, इस अहंकारी सत्ता का कोई भी ऐसा निर्णय जो गरीब और मजदूर विरोधी होगा, ऐसे प्रावधान के खिलाफ कांग्रेस पार्टी संसद और सड़क पर, उसका पुरजोर विरोध करेगी। करोड़ों गरीब, मजदूरों और कामगारों के हकों को हम सत्ता के हाथों छिनने नहीं देंगे।

घने कोहरे से उत्तर, पूर्वी भारत में उड़ानें प्रभावित

एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए जारी की एडवाइजरी

नईदिल्ली। घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली, चंडीगढ़, पटना और उत्तर व पूर्वी भारत के अन्य हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन प्रभावित होने के बीच कई एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए परामर्श जारी किया है। एयर इंडिया ने चेताया है कि अगले कुछ दिनों में घना कोहरा दिल्ली और कई अन्य हवाई अड्डों पर परिचालन सेवा को प्रभावित कर सकता है, जिसका संभावित प्रभाव इसके पूरे नेटवर्क पर पड़ सकता है। एयरलाइन ने कहा, आपकी यात्रा की बेहतर योजना में मदद करने के लिए, विशेष रूप से त्यौहारों के सीजन दौरान, हमारा अनुरोध है कि आप एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी श्फ्लाइट स्टेटसश् को अच्छी तरह से देख लें। आपकी सुविधा के लिए एयर इंडिया ने कोहरे से संबंधित व्यवधानों को कम करने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए हैं। हालांकि, यदि घने कोहरे के कारण अचानक उड़ानें रद्द होती हैं या अधिक देरी होती है, तो हमारे ग्राउंड स्टाफ के सहयोगी आपकी सहायता के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे और वैकल्पिक व्यवस्थाएँ करेंगे। एयरलाइन के फॉगकेयर पहल के तहत, प्रभावित होने वाली उड़ानों के यात्रियों को पहले से सूचना मिलेगी और वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उडान बदल सकते हैं या फिर बिना किसी जुमार्ने के पूरा किराया मांग सकते हैं। इंडिगो ने कहा, उत्तर और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में कोहरे का पूवार्नुमान जताया गया है, जिससे दृश्यता कम हो सकती है और शुरूआती घंटों के दौरान उड़ान परिचालन की गति धीमी हो सकती है। सुरक्षा के मद्देनजर, कुछ उड़ानों में देरी भी हो सकती है या बदलाव हो सकते हैं। हवाई अड्डों पर हमारी टीमें पूरी तरह तैयार हैं इंडिगो ने आगाह किया कि कोहरे वाली स्थिति सड़क यातायात को भी प्रभावित कर सकती है, इसलिए यात्री अतिरिक्त समय लेकर हवाई अड्डे के लिए निकले। स्पाइसजेट ने भी एक परामर्श जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि पटना और दिल्ली में घना कोहरा आवागमन और उड़ानों को प्रभावित कर सकता है। एयरलाइन ने यात्रियों से यात्रा करने से पहले अपनी श्फ्लाइट स्टेटसश् चेक करने का आग्रह किया है। इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गुरुवार सुबह वायु गुणवत्ता और खराब हो गई। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले दिन की तुलना में बढ़ गया। समीर ऐप के अनुसार, आज सुबह दिल्ली का एक्यूआई 358 था, जो बुधवार के 329 की तुलना में और ज्यादा खराब हुआ। इससे शहर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया है।

मऊ-खुरहट रेल खण्ड के विद्युतीकृत लाइनों के साथ दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा संरक्षा निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण परियोजनाओ के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, वाराणसी मंडल के मऊ-शाहगंज दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत अंतिम रेलखण्ड पर मऊ-खुरहट (12 किमी) खण्ड का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना द्वारा ने 18 दिसम्बर, 2025 को इस रेल खण्ड का संरक्षा निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण में उनके साथ पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि, मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी श्री आशीष जैन, कार्यकारी निदेशक (रेल विकास निगम लिमिटेड) श्री विकास चन्द्रा, मुख्य परियोजना प्रबंधक (रेल विकास निगम लिमिटेड) श्री आशुतोष शुक्ला सहित मुख्यालय, मंडल तथा रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना ने अपने निरीक्षण का आरंभ में खुरहट रेलवे स्टेशन पर दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण के अनुरूप इंटरलॉकिंग, संरक्षा गेयरों के बदलाव, स्टेशन वर्किंग रुल, रिले रूम के एक्सटेंशन, यार्ड में पड़ने वाले समपार फाटकों के दोहरीकरण के अनुरुप विस्तार तथा स्टेशन पर दोहरीकरण के अनुरूप प्लेटफार्मों एवं पैदल उपरिगामी पुल के क्लियरेंस तथा मानक सूची और उपलब्धता के अनुसार यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। खुरहट स्टेशन पर उन्होंने वी डी यू पैनल, रिले रूम, इंटिग्रेटेड पावर सप्लाई रूम आदि का निरीक्षण किया तदुपरांत श्री सक्सेना ने मोटर ट्रॉली से खुरहट यार्ड में ट्रेलिंग पवाइन्ट संख्या 102 बी की हाऊसिंग का निरीक्षण किया तथा गेज परीक्षण कर संरक्षा परखी, इसके पश्चात गेट संख्या 6सी पर पहुंचे और दोहरीकरण के अनुरूप गेट के विस्तार, बूम लॉक, इलेक्ट्रानिक चाभी हस्तांतरण का परीक्षण किया, इसके साथ ही उन्होंने गेट पर सेफ्टी टूल्स का निरीक्षण किया तथा कार्यरत गेट मैन शहनवाज अहमद का संरक्षा ज्ञान भी परखा। इसके बाद कट कनेक्शन के पास पड़ने वाले पवाइन्ट संख्या 121ए का गेज परीक्षण, हाऊसिंग एवं फेल सेफ प्रणाली का गहन निरीक्षण किया। तदुपरांत रेल संरक्षा आयुक्त मोटर ट्राली से खुरहट-पालीगढ़ हाल्ट-मऊ रेल खण्ड का का निरीक्षण करते हुए मऊ पहुंचे इस दौरान उन्होंने इस रेल खण्ड पर रेल पथ जड़ाई, बैलास्ट फैलाई, ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन एवं पोल्स की मानक स्थिती तथा मार्ग में पड़ने वाले पुलों, समपार फाटकों, अंडर पासों आदि का संरक्षा निरीक्षण किया। निरीक्षण के अंत में रेल संरक्षा आयुक्त ने अपने ओ एम एस ट्रेन से मऊ-खुरहट एवं मऊ-दुल्लहपुर खण्ड का स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ज्ञातव्य हो की मऊ-शाहगंज दोहरीकरण परियोजना मऊ-खुरहट के दोहरीकरण पूर्ण होने के साथ पूरी हो गई है। मऊ-खुरहट रेल खंड के चालू होने के साथ ही, फेफना-इंदारा और मऊ-शाहगंज दोहरीकरण परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। इस मऊ से खुरहट तक नवनिर्मित लाइन को अप मेन लाइन के रूप में नामित किया जाएगा। दोहरीकरण से रेल लाइन क्षमता में वृद्धि होगी, यात्री और माल ढुलाई दोनों सेवाओं के लिए उच्च गति और आवृत्ति में वृद्धि को सक्षम बनाएगी, यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और रेल यात्रियों की सुविधा में सुधार होगा। संतुष्टि और समग्र परिचालन दक्षता में सुधार होगा। इसके अलावा, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी में जबरदस्त सुधार करके, यह परियोजना क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देगी।

पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय स्थित वाणिज्य विभाग के आरक्षण काउण्टर पर प्रदर्शित क्यू.आर./यू.पी.आई. के साथ प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक प्रकाश चन्द्र जायसवाल, साथ में वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी

गोरखपुर: रेलकर्मियों की सुविधा हेतु पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय तथा यांत्रिक कारखाना,गोरखपुर एवं

तीनों मंडल कार्यालयों में नॉन कैश काउण्टर संचालित है, परन्तु इन काउंटरों से केवल सुविधा पास/ड्यूटी पास पर ही आरक्षण की सुविधा उपलब्ध थी। पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का भुगतान करके टिकट बनाने की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसे ध्यान में रखकर 18 दिसम्बर,2025 से पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय, यांत्रिक कारखाना गोरखपुर तथा तीनों मंडल कार्यालयों में संचालित नॉन कैश काउण्टरों पर पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का ऑनलाइन क्यू.आर./यू.पी.आई. भुगतान करके आरक्षण की सुविधा उपलब्ध करा दी गयी, जिससे रेलवे कर्मचारियों/अधिकारियों एवं सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों/अधिकारियों को पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का भुगतान करके टिकट बनवाने में काफी सुविधा होगी। इस सम्बन्ध में पूर्वोत्तर रेलवे एवं अन्य जोनल रेलवे द्वारा नॉन कैश काउंटरों पर सुविधा टिकट आदेश/पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का भुगतान करके टिकट बनाने के सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड से दिशा-निर्देश की मांग की गयी थी, जिसके फलस्वरूप इस सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा दिशा-निर्देश प्राप्त हुआ है जिसमें पी.टी.ओ. एवं पास पर किराये के अन्तर का केवल ऑनलाइन क्यू.आर./यू.पी.आई. भुगतान करके टिकट बनाये जाने हेतु निदेर्शित किया गया है।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 17 दिसम्बर,2025 को गाड़ी संख्या-01025 के टिकट जांच निरीक्षक को टेज्न में लगभग 12 वर्ष का एक बालक लावारिस हालत में मिला, जिसे मऊ पोस्ट को सुपुर्द किया गया, वहाँ से बालक को रेलवे चाइल्ड हेल्प लाइन,मऊ भेजा गया। रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज रामबाग को ज्ञानपुर रोड स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-1 पर लगभग 27 वर्ष की एक महिला लावारिस हालत में मिली, जिसे उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। 16 दिसम्बर,2025 को रेलवे सुरक्षा बल,गोरखपुर को गश्त के दौरान प्लेटफार्म संख्या-2 पर लगभग 12 वर्ष का एक बालक लावारिस हालत में मिला, जिसे चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 15 दिसम्बर,2025 को गाड़ी संख्या-02563 में महिला यात्री का छूटा हुआ 02 बैग मिला, जिसमें कीमती आभूषण थे। इस बैग को 17 दिसम्बर,2025 को महिला यात्री के गोरखपुर पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को गाड़ी संख्या-22550 में यात्री का छूटा 02 मोबाइल मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा किया गया। 16 दिसम्बर,2025 को यात्री के गोरखपुर पोस्ट पर उपस्थित होने पर मोबाइल सुपुर्द किया गया।

कवच 4.0 को दिल्ली-मुंबई मार्ग पर पलवल-मथुरा-नागदा सेक्शन (633 मार्ग किमी) और दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर हावड़ा-बर्धमान सेक्शन (105 मार्ग किमी) पर चालू किया गया

15,512 मार्ग किमी पर ट्रैकसाइड कवच का कार्यान्वयन शुरू किया गया, जिसमें भारतीय रेलवे के सभी स्वर्णिम चतुर्भुज, स्वर्णिम विकर्ण, उच्च घनत्व नेटवर्क और चिन्हित खंड शामिल हैं

कवच 4.0 में उच्च स्थान सटीकता, बेहतर यार्ड सिग्नल सूचना, ओएफसी-आधारित स्टेशन इंटरफेस और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग एकीकरण के लिए सीधा इंटरफेस शामिल है, जिससे यात्री सुरक्षा में वृद्धि होगी

गोरखपुर: कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है। कवच एक अत्यधिक तकनीकी रूप से गहन प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा प्रमाणन (एसआईएल-4) की आवश्यकता होती है। कवच, लोको पायलट द्वारा ब्रेक लगाने में असफल रहने की स्थिति में स्वचालित ब्रेक लगाकर रेलगाड़ियों को निर्दिष्ट गति सीमा के अंदर चलाने में लोको पायलट की सहायता करता है तथा खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ियों को सुरक्षित रूप से चलाने में भी मदद करता है। यात्री ट्रेनों पर पहला परीक्षण फरवरी 2016 में शुरू किया गया था। प्राप्त अनुभव और स्वतंत्र सुरक्षा निर्धारक (आईएसए) द्वारा प्रणाली के स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकन के आधार पर, कवच संस्करण 3.2 की आपूर्ति के लिए 2018-19 में तीन फर्मों को मंजूरी दी गई थी। कवच को जुलाई 2020 में राष्ट्रीय स?वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के रूप में अपनाया गया था। कवच प्रणाली के कार्यान्वयन में प्रमुख गतिविधियां - प्रत्येक स्टेशन, ब्लॉक सेक्शन पर स्टेशन कवच की स्थापना, संपूर्ण ट्रैक लंबाई में रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) टैग की स्थापना, पूरे खंड में दूरसंचार टावरों की स्थापना, ट्रैक के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना, भारतीय रेलवे पर चलने वाले प्रत्येक लोकोमोटिव पर लोको कवच का प्रावधान शामिल हैं। दक्षिण मध्य रेलवे पर 1465 मार्ग किलोमीटर पर कवच संस्करण 3.2 की तैनाती और प्राप्त अनुभव के आधार पर इसमें और सुधार किए गए। अंततः, कवच विनिर्देश संस्करण 4.0 को अनुसन्धान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा 16. जुलाई 2024 को अनुमोदित किया गया। कवच संस्करण 4.0 में विविध रेलवे नेटवर्क के लिए आवश्यक सभी प्रमुख विशेषताएँ शामिल हैं। यह भारतीय रेलवे की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय रेलवे ने बहुत कम समय में ही स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली विकसित, परीक्षण और लागू करना शुरू कर दिया है। संस्करण 4.0 में प्रमुख सुधारों में स्थान सटीकता में वृद्धि, बड़े यार्डों में सिग्नल संबंधी पहलुओं की बेहतर जानकारी, ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) पर स्टेशन-से-स्टेशन कवच इंटरफेस और मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम से सीधा इंटरफेस शामिल हैं। इन सुधारों के साथ, कवच संस्करण 4.0 को भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर लागू करने की योजना है। व्यापक और विस्तृत परीक्षणों के बाद, कवच संस्करण 4.0 को दिल्ली-मुंबई मार्ग पर पलवल-मथुरा-नागदा खंड (633 मार्ग किमी) और दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर हावड़ा-बर्धमान खंड (105 मार्ग किमी) पर 738 मार्ग किमी पर सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। कवच का कार्यान्वयन दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर के शेष खंडों में भी शुरू किया गया है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर सहित उच्च घनत्व वाले मार्गों पर कवच की प्रमुख प्रगति - 7129 किमी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने का कार्य, 860 दूरसंचार टावरों की स्थापना, 549 स्टेशनों पर कवच का प्रावधान, 2674 मार्ग किलो मीटर ट्रैक साइड उपकरणों की स्थापना, 4,154 लोको पर कवच का प्रावधान प्रगति पर है।

भारतीय रेलवे के सभी जीक्यू, जीडी, एचडीएन और चिन्हित खंडों को कवर करते हुए 15,512 रूट किलोमीटर पर ट्रैक साइड कवच कार्यान्वयन कार्य शुरू किया गया है। कवच संस्करण 4.0 से अन्य 9,069 इंजनों को सुसज्जित करने के लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। कवच को चरणबद्ध तरीके से इंजनों में उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय रेलवे के केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में कवच पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 40 हजार से ज्यादा तकनीशियनों, ऑपरेटरों और इंजीनियरों को कवच तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इनमें 30 हजार लोको पायलट और सहायक लोको पायलट शामिल हैं। ये पाठ्यक्रम भारतीय रेल सिंगनल इंजीनियरी और दूरसंचार संस?थान के सहयोग से तैयार किए गए हैं। कवच के स्टेशन उपकरण सहित ट्रैक साइड के प्रावधान की लागत लगभग 50 लाख रुपये/किमी है और इंजनों पर कवच उपकरण के प्रावधान की लागत लगभग 80 लाख रुपये/लोको है। अक्टूबर 2025 तक कवच कार्यों पर उपयोग की गई धनराशि 2,354.36 करोड़ रुपये है। वर्ष 2025-26 के दौरान धनराशि का आवंटन 1673.19 करोड़ रुपये है। कार्य की प्रगति के अनुसार आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

रिहाइश भले शहर में, वोटर गांव में ही रहेंगे

बस्ती। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एएसडी श्रेणी के कुल 3,09,681 मतदाताओं का ग्राफ घटाना बीएलओ एवं सुपरवाइजर के लिए कठिन चुनौती बनी हुई है। अथक प्रयास के बाद यदि मतदाता पकड़ में आ रहे हैं तो वह परिवर्तित स्थान के बजाय अपने मूल निवास स्थान से वोटर बनने पर सहमति व्यक्त कर रहे हैं। समझाने-बुझाने के बाद भी बीएलओ ऐसे मतदाताओं का एसआईआर फार्म नहीं भरवा पा रहे हैं। जबकि प्रत्येक बूथ पर एएसडी श्रेणी के मतदाताओं का अनुपात कम करने का उच्चाधिकारियों का दबाव है। जिले भर में एएसडी मतदाताओं में से 1,53,000 लोग शिफ्टेड की श्रेणी में चिह्नित हैं। इसमें अधिकांश मतदाता सदर विधानसभा के शहरी क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। सुदूर एवं निकट के गांवों से बच्चों की पढ़ाई एवं रोजी रोजगार के चलते तमाम लोग शहर एवं पास इलाकों में घर बनवाकर रहने लगे हैं। पहले विधानसभा निर्वाचक नामावली सूची में इतनी पारदर्शिता न होने के कारण लोग अपने मूल स्थान और शहर दोनों जगहों से वोटर बन गए थे। सुविधा के अनुसार चुनाव के समय लोग मतदान भी करते रहे। इस बार एसआईआर प्रक्रिया में अब एक ही जगह से मतदाता बनना होगा। इसलिए शहर में बाहर से आकर रहने वाले लोग इस विधानसभा के एसआईआर फार्म भरने से मुंह मोड़ लिए हैं। आवास विकास, कटरा क्षेत्र में 15 हजार के लगभग मतदाता पिछले निर्वाचन नामावली में दर्ज थे। प्रत्येक मतदाता के नाम एसआईआर फार्म निर्गत किया गया है। लगभग सात हजार मतदाताओं ने इस बार एसआईआर फार्म भरकर देने से मनाकर दिया है।

दिन में छह घंटे बिजली कटौती, सिंचाई के लिए रतजगा करना मजबूरी

बभनान। कस्बे के उपकेंद्र से जुड़े ग्रामीण इलाके में बिजली आपूर्ति दिन में न होने से किसानों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। एक तरफ सरकार ने कृषि कार्य के लिए बिजली फ्री कर रखी हैं, वहीं विभागीय उदासीनता के चलते किसानों को इसका लाभ नहीं पा रहा है। किसानों का कहना है कि दिन में छह घंटे बिजली कटौती हो रही है। ऐसे में खेतों की सिंचाई के लिए रतजगा करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, बभनान उपकेंद्र से जुड़े पर पैकोलिया, बेदीपुर व गौर फीडर से करीब दो सौ गांवों को बिजली आपूर्ति की जाती है। दिन में छह घंटे रोस्टिंग व कटौती के चलते किसानों को ठंड में रतजगा कर खेतों की सिंचाई करनी पड़ रही है।

वाराणसी से बैंकॉक के लिए अब सीधी उड़ान फरवरी से जल्द जारी होगा शेड्यूल

वाराणसी। बनारस से बैंकॉक का सफर आसान होगा। अब लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बैंकॉक के लिए सीधी उड़ान शुरू होगी। इसका शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा। थाईलैंड या बैंकॉक जाने वाले यात्रियों के लिए खुशी की खबर है। अब लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बैंकॉक के लिए सीधी उड़ान फरवरी से शुरू होगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस इस उड़ान सेवा को फरवरी में शुरू करेगा। इसका शेड्यूल भी जल्द जारी होगा, जिसके बाद बुकिंग की जा सकेगी। भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय वैल्यू कैरियर एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 1 फरवरी 2026 से वाराणसी और बैंकॉक के बीच साप्ताहिक उड़ानों की घोषणा की है। यह उड़ान साप्ताहिक होगी। विमानन कंपनी के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने बताया कि बैंकॉक के लिए इस नॉन-स्टॉप सेवा की शुरूआत भारत के सबसे अधिक मांग वाले अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में से एक के लिए की जा रही है। यह देश के तेजी से बढ़ते गैर-महानगर और टियर-2 शहरों से सीधी अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने के हमारे रणनीतिक फोकस के अनुरूप है।उन्होंने कहा कि यह नई सेवा वाराणसी के यात्रियों को एशिया के सबसे लोकप्रिय अवकाश गंतव्यों में से एक के लिए सुविधाजनक नॉन-स्टॉप कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। वहीं, यह थाईलैंड के पर्यटकों को वाराणसी, सारनाथ और बौद्ध सर्किट के अन्य प्रमुख आकर्षणों की यात्रा के लिए भी सुविधाजनक विकल्प देगी।

संक्षिप्त खबरें

महिलाओं की सुनीं समस्याएं निस्तारण के निर्देश

बस्ती। राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह ने सर्किट हाउस सभागार में बुधवार को महिला उत्पीड़न से संबंधित जनसुनवाई की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशानुरूप पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने में कोई कोर-कसर न छोड़ें। उन्होंने महिला उत्पीड़न से संबंधित उपस्थित महिलाओं से पूछताछ की तथा संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान पांच प्रकरण प्रस्तुत हुए। कैलाशपती, ग्राम कूढापट्टी, ज्योति सिंह, बबिता मो. बभनगांवा, लक्ष्मी ग्राम तिगोड़िया तथा नीलम ग्राम लक्ष्मनपुर बस्ती के प्रकरणों में से दो का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान एसीएमओ डॉ. एसबी सिंह, डीपीओ राजेश कुमार, सीडीपीओ सदर जयप्रकाश सिंह, सांऊघाट कृष्णेन्द्र यादव, महिला एसएचओ शालिनी सिंह आदि मौजूद रहीं।

परिषदीय स्कूलों का समय बदलने के लिए सौंपा ज्ञापन

बस्ती। घने कोहरे और बढ़ती ठंड के कारण परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों की सुरक्षा के प्रति शिक्षकों की चिंता बढ़ गई है। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में शिक्षकों ने डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विद्यालयों के समय में बदलाव की मांग की। जिला मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में ग्रामीण अंचलों में कोहरे और ठंड का प्रभाव बढ़ गया है। इसकी वजह से बच्चे भी विद्यालय में देरी से आ रहे हैं और उनकी संख्या भी निरंतर घटती ही जा रही है। इसको देखते से विद्यालय का समय सुबह 10 बजे से किया जाए। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव और जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र ने कहा कि बड़ी संख्या में शिक्षकों की प्रणति उनके निवास स्थल से काफी दूर है जिससे उनको विद्यालय आने-जाने में भी अत्यधिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है अत्यधिक ठंड के कारण कई जिलों में भी विद्यालय के समय का परिवर्तन कर दिया गया है। ज्ञापन देने वालों में प्रवीण श्रीवास्तव, सुधीर तिवारी, शिवप्रकाश सिंह, बब्बन पाण्डेय, संजय यादव, शेषनाथ यादव, मंगला मौर्य, हरेंद्र यादव, संदीप यादव, शिक्षा मित्र संघ जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

50 हजार रुपये चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। सदर कोतवाली क्षेत्र के कटरा पानी टंकी के पास ऑटो सवार गांधीनगर निवासी अशफाक की सोमवार को दिन दहाड़े जेब काटकर 50 हजार रुपये चुराने की घटना का बुधवार को पुलिस ने पदार्फाश कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़कर उनके पास से 45,500 रुपये बरामद किए हैं। कांशीराम कॉलोनी निवासी ऑटो चालक धीरू उर्फ शिवभोला और उसके साथी बीनू सोनकर को गिरफ्तार कर बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से दोनों जेल भेज दिए गए। पुलिस के अनुसार, कटरा पानी टंकी के पास सोमवार को ऑटो चालक और उसके साथी ने गांधीनगर निवासी अशफाक की जेब से 50 हजार रुपये चोरी कर लिए थे।

एसई दफ्तर पर बिजली कर्मियों का धरना जारी

बस्ती। बिजली निगम में संविदा कर्मचारियों के छंटनी के विरोध में बुधवार को भी संघ के अध्यक्ष अशर्फी लाल की अगुवाई में अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर धरना जारी रहा। इस दौरान कर्मचारियों ने हुंकार भरी कि जब तक नए निविदा में पुराने आदेश के तहत निकाले गए कर्मचारियों का समायोजन नहीं होगा आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद रखें। कहा कि अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल बस्ती द्वारा नई निविदा में संविदा कर्मचारियों की संख्या घटाने की संस्तुति की गई है। इस रिपोर्ट पर डिस्कॉम वाराणसी ने 668 की जगह वर्तमान निविदा में संविदा कर्मचारियों की संख्या 514 कर दी गई है। निविदा का एलओआई भी जारी कर दिया गया है। पावर कॉरपोरेशन के पुराने आदेश संख्या 295 दिनांक-15 मई 2017 का अनुपालन जब तक नहीं होगा, हमें चुप नहीं बैठना है। इस मौके पर अश्विनी सिंह, जगदंबा उपाध्याय, विजय कुमार, रमजान अली, शैलेष यादव आदि मौजूद रहे।

अभी जारी नहीं हुई परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची, असमंजस की स्थिति

बस्ती। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को लेकर इस बार 117 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन पर 95 आपत्तियां प्राप्त हुई थी। जिनकी सुनवाई के बाद निस्तारण रिपोर्ट परिषद को भेज दी गई थी। दो दिनों से परीक्षा केंद्रों के अंतिम सूची जारी होने का इंतजार किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही थी कि बुधवार को केंद्रों की अंतिम सूची जारी हो जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिससे केंद्रों में फेरबदल को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पिछले चार दिसंबर तक परीक्षा केंद्रों को लेकर आपत्तियां दर्ज कराने का समय निर्धारित था। ऑनलाइन पोर्टल पर कुल 95 आपत्तियां प्राप्त हुई थी। इसमें ज्यादातर आपत्ति परीक्षा केंद्रों पर अधिक छात्र संख्या आवंटन से जुड़ी हुई थी। इसके अलावा कुछ केंद्रों की मानक से अधिक दूरी होने की दलील भी आपत्तियों में दी गई थी। जिला स्तरीय समिति की निगरानी में इन आपत्तियों का निस्तारण किया गया। विभागीय सूत्रों के अनुसार मानक से अधिक दूरी से संबंधित आपत्तियों में सत्यता नहीं पाई गई है। जिन केंद्रों पर छात्र संख्या का आवंटन अधिक हुआ है उसमें संशोधन की संस्तुति निस्तारण रिपोर्ट में की गई है। कुछ विद्यालय संचालकों का कहना है कि आपत्तियों का यदि सही ढंग से निस्तारण होगा तो एक- दो की संख्या में परीक्षा केंद्र भी बदल सकते हैं। वहीं विभागीय जानकार बता रहे हैं कि परीक्षा केंद्रों में फेरबदल होना मुश्किल है। छात्र आवंटन को लेकर परिषद स्तर से फेरबदल किया जा सकता है।

टोल बचाने के लिए हाईवे छोड़ लोकल सड़कों पर ओवरलोड वाहन, हो रहे हादसे

कप्तानगंज (बस्ती)। टोल टैक्स बचाने के चक्कर में भारी वाहन अब सूनसान सड़कों से गुजर रहे हैं। इससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। जिम्मेदार सबकुछ जानकर भी अंजान बने हैं। ऐसे में हादसे का खतरा बना रहता है। बस्ती से लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़ेवन और चौकड़ी टोल प्लाजा पड़ता है। फोरलेन से गुजरने वाले छोटे-बड़े वाहन जब बस्ती जिले से गुजरते हैं तो उन्हें बड़ेवन और चौकड़ी टोल प्लाजा पर टोल टैक्स देना पड़ता है। दोनों टोल प्लाजा का टोल टैक्स बचाने के लिए वाहन चालक नया-नया तरीका अपना रहे हैं। सूनसान सड़कों से होकर गुजरते हैं। गोरखपुर से लखनऊ जाने वाले अधिकतर वाहन कांटे संतकबीरनगर से मुड़कर मुंडेरवा होते हुए महादेवा, लालगंज, कुदरहा होकर रामजानकी मार्ग को पकड़कर सीधे छावनी तिराहे से फोरलेन पकड़ लेते हैं। कुछ वाहन फोरलेन के चैनपुरवा फ्लाईओवर से मनोरी होकर बड़ेबन होते फोरलेन पकड़ते हैं। कप्तानगंज चौराहे से भिउरा होते हुए छावनी से फोरलेन पकड़ लेते हैं। लोकल वाहन मूड़घाट से होकर दुबौला, जिलेबीगंज, पचपेड़वा, हसिनाबाद होकर विक्रमजोत से फोरलेन पकड़ लेते हैं।

चौथा टी20 रद्द होने पर शशि थरूर ने बीसीसीआई को घेरा

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लखनऊ में खेला जाने वाला चौथा टी20 कोहरे के चलते रद्द करना पड़ा था। अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस पर प्रतिक्रिया दी है और बीसीसीआई ने तिरुवनंतपुरम को अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी सौंपने की मांग की है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लखनऊ में खेला जाने वाला चौथा टी20 मुकाबला कोहरा के चलते रद्द हो गया। अब इसे लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को घेरा है। थरूर ने लखनऊ में वायु गुणवत्ता की आलोचना की है और ऐसी परिस्थिति में अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की मेजबानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। मैच में नहीं हो सका टॉस भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाने वाला चौथा टी20 मैच बुधवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में बिना टॉस के ही रद्द कर दिया गया।

सपा महिला नेताओं का नीतीश कुमार-संजय निषाद के खिलाफ प्रदर्शन, पुलिस से हुई नोकझोंक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हजरतगंज चौराहे पर सपा महिला नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा सरकार में मंत्री संजय निषाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर उनका इस्तीफा मांगा। प्रदर्शनकारियों ने दोनों नेताओं पर महिलाओं के अपमान और महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल सपा नेता समयून खान और ममता चौधरी के साथ प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और नेताओं के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई। समयून खान ने कहा कि मंत्री संजय निषाद द्वारा दिया गया बयान महिलाओं का सीधा अपमान है। जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक महिला का नहीं बल्कि पूरे समाज का अपमान है। ऐसे लोग अगर मंत्री पद पर होंगे तो महिलाओं को न्याय और सम्मान कैसे मिलेगा। संजय निषाद का बयान सभ्य समाज पर धब्बा है। जिस कृत्य कि निंदा करना चाहिए था उसको समर्थन देकर महिला अपराध और महिलाओं के प्रति सामजिक नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर महिला सम्मान के साथ खिलवाड़ का आरोप लगाया । उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकत से समाज में महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता उजागर होती है। महिलाओं के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक संजय निषाद और नीतीश कुमार इस्तिका देकर माफी नहीं मांगते, तब तक विरोध जारी रहेगा। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की बात करने वाली सरकार के लोगों के चेहरे से नकाब हट गया।

महिला उद्यमियों के लिए टेक्नोलॉजी आधारित ट्रेनिंग प्रोग्राम,जुटीं आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाएं

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को राज्य आजीविका मिशन और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आजीविका मिशन से जुड़ी महिला उद्यमियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान महिलाओं को उद्यम विकास, तकनीकी नवाचार और उत्पादन बढ़ाने से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद महिला उद्यमियों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए। महिलाओं ने बताया कि आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान महिलाओं ने उत्पादन, विपणन और संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ी अपनी चुनौतियां भी सामने रखीं। डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सीईओ ने बताया कि उनकी संस्था प्रदेश के 10 जिलों में गवर्नमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और राज्य आजीविका मिशन के सहयोग से हाईजैक कार्यक्रम के तहत काम कर रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आधुनिक तकनीक के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता दोनों को बढ़ा सकें। आयोजकों की माने तो, इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को तकनीकी जानकारी के साथ-साथ बाजार की समझ भी प्रदान करते हैं। इससे न केवल महिलाओं की आय में वृद्धि होगी, बल्कि वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभा सकेंगी।

नीतीश-संजय के खिलाफ होर्डिंग वार,सपा नेता बोले महिला सम्मान का नारा खोखला

लखनऊ। लखनऊ में सपा कार्यालय के पास लगी होर्डिंग। समाजवादी पार्टी के नेता द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद के खिलाफ होर्डिंग वार। यह होर्डिंग सपा कार्यालय और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद के आवास के बीच लगाई गई, इस के माध्यम से दोनों नेताओं पर तीखे शब्दों में हमला बोला गया है। पोस्टर के माध्यम से सपा नेता ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए लिखा है नियुक्ति पत्र मांगती बच्चियां, हिजाब हटाया जा रहा। के जरिए सरकार की नीतियों और सामाजिक मुद्दों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। पोस्टर में यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि युवतियों और अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों पर सरकार संवेदनशील नहीं है। होर्डिंग पर

लिखा संदेश नियुक्ति पत्र माँगती बच्चियाँ, हिजाब हटाया जा रहा, सत्ता के घमंड में मंत्री, मयार्दा भूले जा रहे। छुआ ही तो क्या कहकर, जुर्म को हल्का बताते हैं, नारी सम्मान पर हँसी और खुद को नेता बताते हैं। अखिलेश यादव ढाल बनकर, हर नारी के सम्मान के साथ है। होर्डिंग में इन्हीं शब्दों के साथ संजय निषाद और नीतीश कुमार पर हमला किया गया है तो वहीं अखिलेश यादव को नारी सम्मान का मसीहा बताया। सपा नेता मोहम्मद इखलाक ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा सरकार में मंत्री संजय निषाद दोनों ही महिला विरोधी हैं। यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है भारतीय जनता पार्टी की चुप्पी भी यह बताती है कि वह इन दोनों नेताओं के कृत्य और बयान का समर्थन कर रही है। सरकार के द्वारा महिला सम्मान का दिया जाने वाला नारा पूरी तरह झूठ और खोखला है हम लोग इसके खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं और यह विरोध आगे भी जारी रहेगा।

कोडीन-युक्त कफ सिरप की अवैध आपूर्ति में संलिप्त लोगों को बचा रही भाजपा: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर करोड़ों रुपये के कोडीन-युक्त कफ सिरप की अवैध आपूर्ति में संलिप्त लोगों को बचाने का आरोप लगाया। यादव ने सपा विधायकों की बैठक के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा के आने वाले सत्र में उठाए जाने वाले कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें कथित कोडीन और कफ सिरप रैकेट एक बड़ी चिंता का विषय था। उन्होंने आरोप लगाया, ह्लकोडीन युक्त कफ सिरप को लेकर चिंता सिर्फ उत्तर प्रदेश के आम लोगों तक सीमित नहीं है। यह पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। यह रैकेट एक प्रधान सांसद (वाराणसी) के इलाके से शुरू हुआ और इसके तार न सिर्फ पूरे देश बल्कि विदेशों तक फैले हुए हैं। यादव ने दावा किया कि जो शुरू में कुछ करोड़ रुपये का घोटाला लग रहा था, वह अब ह्लहजारों करोड़ रुपयेह्व का

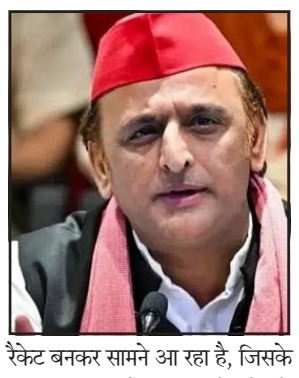

रैकेट बनकर सामने आ रहा है, जिसके मुख्य तार सांसद के निर्वाचन क्षेत्र से सटे जिलों से जुड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरा रैकेट उत्तर प्रदेश से चलाया जा रहा था। अधिकारियों के अनुसार, नेटवर्क से जुड़े वित्तीय लेनदेन और मनी ट्रेल की जांच की जा रही है और प्रवर्तन निदेशालय भी समानांतर जांच कर रहा है। खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि कोडीन युक्त सिरप शेड्यूल एच के तहत आता है और ये सिर्फ चिकित्सक के पर्चे पर लिखे होने के बाद ही बेचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि लेकिन जब बड़ी मात्रा में बिना कागजों के इसकी आपूर्ति की जाती है तो ये कानून का उल्लंघन है। अधिकारियों ने बताया कि इसका इस्तेमाल अक्सर नशीले पदार्थों के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और स्वापक औषधि एव मनरू प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत 28 जिलों में 128 प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के कानून प्रवर्तन दृष्टिकोण पर निशाना साधते हुए कहा कि उच्च स्तरीय मामलों में आमतौर पर बुलडोजर तेजी से तैनात किए जाते हैं लेकिन इस मामले में कार्रवाई गायब दिख रही है। उन्होंने कहा, ह्लऐसा लगता है कि सरकार के बुलडोजर का चालक भाग गया है और चाबी खो गई है। यादव ने चयनात्मक कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य भर में 22 बड़ी बुलडोजर कार्रवाई में लक्षित लोगों में से अधिकांश पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्गों के थे। उन्होंने जांच की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि सिरप मामले की जांच के लिए बनाई गई एसटीएफ टीमों में एक ही जिले के कर्मियों का दबदबा था और वे ह्लसमझौताह्व कर चुके थे। यादव ने अधिकारियों पर दबाव का आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाता सूची से मनमाने ढंग से मतदाताओं के नाम काटने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने इस काम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) करार दिया और दावा किया कि यह निर्वाचन आयोग के जरिए किया जा रहा है। सपा अध्यक्ष ने आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया।

एलडीए जनता अदालत में पेट पर शिकायत चिपकाकर अधिकारी से मिला फरियादी

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के कर्मियों की कार्यशैली से आजिज आकर अधिकारियों से यूनीक तरीके से शिकायत की। वह अपनी शिकायत पेट पर चिपकाकर एलडीए ऑफिस पहुंच गए। उन्होंने बताया कि घर के पास एक टावर लगा है। उसे हटवाने के लिए 8 महीने से दौड़ रहा हूं। कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह देखने को मिला गुरुवार को एलडीए में आयोजित जनता अदालत में। इस दौरान दूसरे फरियादी भी पहुंचे जिन्होंने अपनी शिकायतें दीं। साथ ही नगर निगम के एक पार्षद भी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। उनका कहना था कि उनके वार्ड में भूमाफिया सरकारी जमीन पर होटल बनवा रहा है। उसे अधिकारी नहीं रोक रहे। गोमतीनगर से एक बुजुर्ग अपने घर के पास लगे टावर को हटवाने की शिकायत लेकर पहुंचे। सुरेश चंद्र ने बताया मेरे घर के पास में एक टावर लगा है। उसे हटाने की शिकायत वह 8 महीने से कर रहा हूं। अफसरों ने टावर हटाने के निर्देश भी दिए थे पर 8 महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक वह नहीं हटा है। टावर मालिक से प्राधिकरण के अफसर मिल गए हैं इसीलिए टावर नहीं हट रहा। आशियाना रेजीडेंसी एसोसिएशन अध्यक्ष आरके पांडेय ने कहा आशियाना योजना बनाते समय अंसल ने सभी सेक्टरों में पार्क और कम्युनिटी सेंटर बनाने का वादा किया था। बाद में उसने जमीनों को बेच दिया। आवंटियों के दबाव के बाद अंसल ने आशियाना के सेक्टर-के में डेढ़ एकड़ जगह दी थी। उसके एक हिस्से में सभी आवंटियों ने पैसे से एक मंदिर बनवाया। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मंदिर में अपना पुजारी बैठा दिया है। उस जमीन पर लखनऊ विकास प्राधिकरण अब कम्युनिटी सेंटर बनाने जा रहा है, जबकि पूरी योजना में सिर्फ एक पार्क है। इसके साथ ही एसोसिएशन ने शिकायत की है कि पार्क पर किसी तरह का कोई निर्माण नहीं करवाया जाए। इब्राहिमपुर वार्ड के पार्षद बृजमोहन शर्मा ने बताया कि उनके वार्ड में हरिहर नगर स्थित सरकारी जमीन पर माफिया कब्जा करके होटल बना रहे हैं। 2016 में महेश वर्मा नाम के भूमाफिया पर मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसके बाद से उसने होटल के निर्माण का काम बंद कर दिया था। लेकिन 10 दिनों से आरोपी बिल्डर ने फिर से होटल निर्माण का काम शुरू कर दिया है। इसको लेकर के लखनऊ विकास प्राधिकरण के जेई और नगर निगम के तहसीलदार से कई बार शिकायत की पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब इसकी शिकायत लेकर एलडीए वीसी से मिलने आए।

परिवहन विभाग ने शुरू कीमाघ मेले को लेकर तैयारी

लखनऊ। प्रयागराज में महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन के बाद योगी सरकार माघ मेले की तैयारियों में पूरी तरह जुट गई है। प्रयागराज संगम में श्रद्धालु सुगमता से आस्था की डुबकी लगा सकें, इसके लिए सरकार परिवहन, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं को मजबूत कर रही है। माघ मेले के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वाराणसी परिक्षेत्र के 8 जिलों से तीन चरणों में 336 अतिरिक्त

बसों का संचालन होगा, जनरथ एसी बसें भी शामिल होंगी, खासतौर पर पूर्वांचल से प्रयागराज आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए योगी सरकार विशेष इंतजाम कर रही हैं। योगी सरकार सभी प्रमुख त्योहारों और धार्मिक आयोजनों पर यात्रियों की सरल और सुगम यात्रा का प्रबंध करती आ रही है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, वाराणसी के क्षेत्रीय प्रबंधक परशुराम पांडेय ने बताया कि वाराणसी परिक्षेत्र से माघ मेले के लिए तीन चरणों मे 336 बसों का संचालन यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा। 50 बसें रिजर्व मे रहेंगी। इसके अलावा कैंट और काशी डिपो की 3-3 जनरथ ऐ.सी बसे भी चलेंगी।

भक्ति के रंग में रंगेगा सदर, कैंट में 22 दिसंबर से श्रीमद्भागवत कथा

लखनऊ,17 दिसम्बर 2025 (यूएनएस)। नवाबों के शहर लखनऊ की फिजाओं में अब भक्ति और आध्यात्म की सुगंध घुलने वाली है। सदर कैंट स्थित पौराणिक श्री शिव श्याम मंदिर (हाता राम दास) के प्रांगण में आगामी 22 दिसंबर से 29 दिसंबर तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का विराट आयोजन होने जा रहा है। श्री शिव श्याम मंदिर समिति के मुख्य संयोजक राजेन्द्र पांडेय गुरुजी ने बताया कि कथा पूर्व 21 दिसंबर (रविवार) को प्रातः 10.30 बजे एक विशाल मंगल कलश

यात्रा निकाली जाएगी। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर मंदिर परिसर से निकलेंगी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय जयकारों से गुंजायमान हो उठेगा। उन्होंने बताया कि 22 दिसम्बर से 29 दिसम्बर तक शाम 4 बजे से कथा व्यास आचार्य विष्णु शरण भारद्वाज जी महाराज अपनी ओजस्वी और मधुर वाणी से भक्तों को श्रीमद्भागवत के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराएंगे।

20 हजार वेफर्स क्षमता वाली ओसैट यूनिट से यूपी बनेगा सेमीकंडक्टर हब

लखनऊ। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को उत्तरप्रदेश में एक नई गति और दिशा मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जिस आत्मनिर्भर और तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का विजन लेकर आगे बढ़ रही है उसकी मजबूत झलक एचसीएल और फॉक्सकॉन की संयुक्त ओसैट यूनिट के रूप में धरातल पर आने वाली है। सबसे प्रमुख विशेषता इसकी 20,000 वेफर्स प्रति माह की उत्पादन क्षमता है। क्षमता इस परियोजना को राष्ट्रीय स्तर पर रणनीतिक महत्व प्रदान करती है, और भारत की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की दिशा में इसे एक बड़ा कदम बनाती है। अधिकारियों का कहना है कि जनवरी के मध्य में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी संभावित है, उसके बाद परियोजना पर तेजी से काम होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार कहते रहे हैं कि उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद राज्य बनाना सरकार की प्राथमिकता है। बेहतर कानून-व्यवस्था मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश अनुकूल नीतियों का परिणाम है कि एचसीएल और फॉक्सकॉन जैसी वैश्विक कंपनियां राज्य में निवेश के लिए आगे आई हैं। इस साझेदारी से न केवल तकनीकी विशेषज्ञता आएगी बल्कि सेमीकंडक्टर स्किल डेवलपमेंट को भी बढ़ावा मिलेगा।यह परियोजना केवल एक औद्योगिक निवेश नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश को भविष्य की वैश्विक तकनीक से जोड़ने वाला रणनीतिक कदम है। एचसीएल ग्रुप की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा का कहना है कि केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास यह इकाई स्थापित की जाएगी। करीब 3706 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली यह यूनिट उत्तर प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग सुविधा होगी। इसमें हर माह 20,000 सिलिकॉन वेफर्स की प्रोसेसिंग की जाएगी जिनसे बड़े पैमाने पर सेमीकंडक्टर चिप्स तैयार होंगी। सेमीकंडक्टर उद्योग में वेफर को चिप निर्माण की आधारशिला माना जाता है। एक वेफर से चिप के आकार और तकनीक के अनुसार सैकड़ों से लेकर हजारों माइक्रोचिप्स तैयार की जाती है। ऐसे में 20,000 वेफर्स की मासिक क्षमता का अर्थ है कि यह यूनिट हर महीने लाखों से लेकर करोड़ों चिप्स के निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं को अंजाम दे सकेगी। यह उत्पादन क्षमता भारत में डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने में निर्णायक साबित होगी।इस संयंत्र में मुख्य रूप से डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स का निर्माण किया जाएगा जिनका उपयोग मोबाइल फोन, लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर, ऑटोमोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। वर्तमान में भारत इन चिप्स के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। 20 हजार वेफर्स की नियमित प्रोसेसिंग से घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूती मिलेगी और आयात निर्भरता में भारी कमी आने की पूरी संभावना है। एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन की यह साझेदारी तकनीकी क्षमता और वैश्विक अनुभव का संगम मानी जा रही है। इससे सेमीकंडक्टर स्किल डेवलपमेंट पर भी फोकस किया जायेगा, जिससे की 20 हजार वेफर्स की इस उच्च क्षमता को संचालित करने के लिए कुशल मानव संसाधन को तैयार किया जा सके।

ताजा खबर...

शहीदपथ पर धू-धूकर जलने लगी कार,दो सवार उतरकर भागे

लखनऊ। राजधानी में शहीदपथ पर एक कार धू-धूकर जलने लगी। उसमें दो लोग सवार थे। जैसे ही बोनट से धुआं निकलने लगा वे दोनों तुरंत उतरकर भागे। दमकल को इसकी सूचना दी लेकिन जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंची तब तक कार का केवल फ्रेम बचा था। 20 मिनट में पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग बुझाई। घटना गुरुवार दोपहर हुई। तेलीबाग के खुर्रम आसिफ अपने ड्राइवर कलीम के साथ साउथ सिटी जा रहे थे। वह जैसे ही शहीदपथ के नीचे सर्विस लेन पर सेक्टर-जे के पास पहुंचे कार के बोनट से धुआं निकलता दिखा। कार रोककर दोनों लोग जल्दी से उतरे और विस्फोट होने के डर से दूर भाग गए। कार मालिक खुर्रम का प्रॉपर्टी डीलिंग का काम है और तेलीबाग में एक पेट्रोल पंप है।

दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट,महिलाओं से की अभद्रता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र में दबंगों ने घर में घुसकर मारपीट की। महिलाओं से छेड़छाड़ करने के साथ ही जानलेवा हमला किया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पीड़ित ने इस मामले में थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू कर दी है। गोमती नगर विस्तार निवासी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि उनके मोहल्ले में विजय द्विवेदी, अंकुर द्विवेदी, बृजेश द्विवेदी और विक्की द्विवेदी घर बनवा रहें है। गुरुवार सुबह निर्माण सामग्री से लदा एक ट्रक संकरी सड़क से गुजर रहा था। इस दौरान सत्येंद्र की वृद्ध मां ने ट्रक चालक से सड़क संकरी होने के कारण सावधानी से ट्रक निकालने को कहा, जिस पर चालक से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके बाद मकान बनवाने वाले चारों लोग मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। दबंगों ने पीड़ित के घर में घुसकर सत्येंद्र, उनकी मां, बहन और भाई के साथ मारपीट की। इस दौरान महिलाओं के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ भी की गई। बीच-बचाव करने आए एक युवक पर ईंट से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

यूपी विधानमंडल: वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर सदन में चर्चा करा सकती है सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार से शुरू हो रहे राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले गुरुवार को विधानभवन में सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने की। सूत्रों के अनुसार सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सदन में विशेष चर्चा कराने पर विचार कर रही है। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे, बसपा नेता उमा शंकर सिंह, कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा सहित विभिन्न दलों के नेता मौजूद रहे। इससे पहले शीतकालीन सत्र की रूपरेखा तय करने के लिए कार्यमंत्रणा समिति की बैठक भी बुलाई गई। सूत्रों के अनुसार सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सदन में विशेष चर्चा कराने पर विचार कर रही है। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में लिया जाएगा। विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर से शुरू होकर 24 दिसंबर तक चलेगा। सत्र की अवधि को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। सर्वदलीय बैठक में शामिल होने जाते समय समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मल्होत्रा ने कहा कि सरकार जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है, इसी वजह से शीतकालीन सत्र को इतना छोटा रखा गया है। उन्होंने सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता से जुड़े सवालों पर विस्तार से चर्चा जरूरी है।

काकोरी में भगवान पार्श्वनाथ की भव्य रथयात्रा, पंचकल्याणक महोत्सव की घोषणा

लखनऊ। काकोरी स्थित भगवान पारसनाथ धाम में भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक दिवस पर वार्षिक रथयात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस उत्सव में संपूर्ण अवध क्षेत्र से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भाग लिया। जून 2026 में होगा ऐतिहासिक पंचकल्याणक मुख्य संयोजक ब्रिजेश जैन बंटी ने इस अवसर पर एक बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि आगामी 24 से 29 जून 2026 तक चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य में 21 फीट ऊँची आदिनाथ भगवान की प्रतिमा का भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा। नवगठित समिति ने भगवान के चरणों में श्रीफल अर्पित कर महोत्सव की सफलता का आशीर्वाद लिया पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष, संजीव जैन, कार्याध्यक्ष, जागेश जैन, महामंत्री, संदीप जैन, कोषाध्यक्ष, रितेश जैन, मुख्य संयोजक, ब्रिजेश जैन बंटी उपाध्यक्ष सुरेंद्र जैन, राकेश जैन सह-मंत्री, विशाल जैन (वास्तुकार) सह-कोषाध्यक्ष, विशाल जैन संयोजक, भारतेंदु जैन (मंदिर), जय कुमार जैन (अवध क्षेत्र) महोत्सव की तैयारियां पूरे अवध क्षेत्र में उत्साह के साथ शुरू कर दी गई हैं।

बेतसैद फैलोशिप ट्रस्ट मे हुआ येशु मसीह के जन्म उत्सव का आयोजन

लखनऊ। बेतहसदा फैलोशिप ट्रस्ट (दया का घर) द्वारा मसीह यीशु का जन्म उत्सव का आयोजन दुबग्गा स्थित पीत खेड़ा और धना खेड़ा में किया गया। मुख्य अथिति आर्च बिशप डाक्टर आरसी .शेत ने जन सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि यीशु मसीह ने जनमानस के कल्याण और मानव जीवन बचानेके लिए आज से 2028 वर्ष पहले बेतलहम नमक एक गांव के गौशाला में पैदा हुए और उनको चरनी जैसे स्थान में लिटाया गया,जो ईश्वर दुनिया का सृजन हार है वह मानव पाप के लिए और पापों को जड़ से समाप्त करने, शांति स्थापित करने, और पाप के दासता से मानव को मुक्ति देने के लिए लिए स्वयं स्वर्ग से उतर कर एक इंसान के रूप में जन्म लिया और अपना जीवन मानव कल्याण के लिए दे दिया, ताकि आकाश में परमेश्वर की महिमा और मनुष्यों में शांति स्थापित हो। इसीलिए आज हम येशु मसीह का जन्म उत्सव का आयोजन कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों, गीतों, और सामूहिक नृत्यों द्वारा मसीह की महिमा की। मुख्य वक्ता ने मसीह के जन्म लेने के रहस्यों और ईश्वर के उद्धार की योजना मानव जाति का कल्याण करने वाले संदेश सुनाए। दया का घर इस तरह के कार्यक्रम 14 दिसम्बर से 25 दिसंबर तक प्रतिदिन लगभग दस अलग अलग स्थानों पर आयोजित कर रहा है जिसमे लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, बाराबंकी, सीतापुर में यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज बडी सभा में सैकड़ों लोगों की भीड़ एकत्र हुए। यह सभी कार्यक्रम बिशप डाक्टर आरसी शेत के द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं।

संपादकीय

मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती? विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल-ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस घटना पर स्वतरू संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी दिखाई। कोर्ट ने लगातार हादसों की वजह बन रहे इन अवैध होटलों-ढाबों पर नियंत्रण हेतु पूरे देश के लिये दिशा-निर्देश जारी करने की जरूरत बतायी। कई अध्ययनों में हादसों की वजह सड़कों के डिजाइन में कमी को भी बताया गया। सवाल है कि जब देश में अच्छी-तेज सड़कों का जाल तीव्र गति से बिछाया जा रहा है तो सुरक्षित सफर सुनिश्चित करना भी तो नीति-नियंताओं की जवाबदेही बनती है? हादसों के लिए सिर्फ चालकों को जिम्मेदार नहीं बताया जा सकता। हां, इतना जरूर है कि वाहन चालकों को गति के साथ मति भी तेज रखनी होगी। यातायात नियमों का पालन करने में एक जिम्मेदार नागरिक का भी दायित्व निभाना होगा।

मेसी से सीखें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना क्या है

> कोलकाता तो अपने फुटबॉल प्रेम के लिए विख्यात है। साल्ट लेक स्टेडियम पर अपर्याप्त व्यवस्था के चलते अफरा-तफरी मच गई। जिन दर्शकों ने 25000 रुपए तक में टिकट खरीदे थे, वे मेसी की एक झलक भी न पा सके। उन्होंने अपने को ठगा हुआ महसूस किया। राजनीति व फिल्म-जगत के सितारे तो मेसी के साथ फोटो खिंचवाते रहे, पर फुटबॉल के सच्चे प्रेमी दर्शक अपने सितारे को देख भी न सके। नाराज दर्शकों ने तोड़-फोड़ शुरू कर दी और ममता सरकार को भारी बदघ्नामी झेलनी पड़ी, क्योंकि मेसी 20 मिनट में ही वापस चले गए। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शतद्रु दत्ता सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया व एसआईटी की जांच बैठा दी गई। मुख्यमंत्री ने माफी भी मांगी। होना तो यह चाहिए था कि मेसी को एक खुली जीप या गाड़ी में बैठाकर स्टेडियम का चक्कर और फुटबॉल को किक लगवा लेना था। दर्शक तृप्त हो जाते। कोलकाता में दर्शक न तो शाहरुख खान को देखने आए थे और न ही अन्य सितारों व राजनीतिज्ञों को।

सुशील दोशी

दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल फुटबॉल के भगवान कहलाने वाले लियोनल मेसी की भारत यात्रा ने दीवानगी के नए कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही विवाद भी खड़े किए। कोलकाता, हैदराबाद, मुम्बई, दिल्ली में स्टेडियम तो भरे रहे, पर साथ ही फिल्मी सितारों, राजनीतिज्ञों व उद्योगपतियों में इस वैश्विक सितारे के इर्द-गिर्द मंडराने की होड़ लगी रही। कोलकाता तो अपने फुटबॉल प्रेम के लिए विख्यात है। साल्ट लेक स्टेडियम पर अपर्याप्त व्यवस्था के चलते अफरा-तफरी मच गई। जिन दर्शकों ने 25000 रुपए तक में टिकट खरीदे थे, वे मेसी की एक झलक भी न पा सके। उन्होंने अपने को ठगा हुआ महसूस किया। राजनीति व फिल्म-जगत के सितारे तो मेसी के साथ फोटो खिंचवाते रहे, पर फुटबॉल के सच्चे प्रेमी दर्शक अपने सितारे को देख भी न सके। नाराज दर्शकों ने तोड़-फोड़ शुरू कर दी और ममता सरकार को भारी बदघ्नामी झेलनी पड़ी, क्योंकि मेसी 20 मिनट में ही वापस चले गए। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शतद्रु दत्ता सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया व एसआईटी की जांच बैठा दी गई। मुख्यमंत्री ने माफी भी मांगी। होना तो यह चाहिए था कि मेसी को एक खुली जीप या गाड़ी में बैठाकर स्टेडियम का चक्कर और फुटबॉल को किक लगवा लेना था। दर्शक तृप्त हो जाते। कोलकाता में दर्शक न तो शाहरुख खान को देखने आए थे और न ही अन्य सितारों व राजनीतिज्ञों को। अलबत्ता कोलकाता के बाद हैदराबाद, मुम्बई व नई दिल्ली में टूर व्यवस्थित रहा। मुम्बई में जब मेसी की अगवानी क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने की तो दोनों का भावुक मिलन व जर्सियों का आदान-

प्रदान देख दर्शक तृप्त हो गए।

मेसी के साथ लुई सुआरेज व रोड्रिगो डीश्पॉल भी थे और भारतीय लोकप्रिय फुटबॉलर सुनील छेत्री जब उनसे मिले तो सभी अभिभूत रह गए। भारत फुटबॉल में विश्व में 142वें स्थान पर है, पर इसके बावजूद फुटबॉल का जुनून उमड़ता नजर आया। मैसेज साफ था कि मेसी एक खिलाड़ी व व्यक्ति से ऊपर उठकर एक वैश्विक ब्रांड बन गए हैं। आप सुपरस्टार संस्कृति से छुटकारा पा ही नहीं सकते। खेल को कायम रखने व दर्शकों को निरंतर आकर्षित करते रहने की ताकत के कारण ऐसे सितारों की जरूरत भी रहती है। लेकिन भारत के ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने इस आयोजन के प्रति निराशा जाहिर की कि इससे भारत को क्या हासिल हुआ? इतने धन से तो भारतीय खेलों के विकास को गति मिल सकती थी। यहां मैं बिंद्रा से असहमत हूं। महान खिलाड़ी देश व सीमा से परे होते हैं। कला हमेशा कालजयी होती है।

मेसी, पेले, तेंदुलकर, गावस्कर, ध्यानचंद, ब्रैडमेन जैसे खिलाड़ी दुनिया की धरोहर होते हैं। हुनर, कला व प्रतिभा का सम्मान ही स्वस्थ समाज व दुनिया की रचना करता है। अगर लियोनल मेसी को देखकर भारतीय युवा प्रेरित होते हैं, तो इसमें बुराई क्या है? महान खिलाड़ी अपने देश व स्वाभिमान का प्रतीक भी होता है। उसका व्यवहार, विनम्रता व चरित्र दूसरों को प्रेरित करता है। मेसी अर्जेंटीना के खिलाड़ी हैं तो उन्होंने अपनी मातृभाषा स्पैनिश में ही बात की। लेकिन हमारे मशहूर खिलाड़ी विदेश जाते हैं तो हिंदी या अपनी मातृभाषा में बात करने से कतराते हैं। अपनी भाषा के सम्मान को अपने देश की संस्कृति व स्वाभिमान को कायम रखने का प्रयास कहा जा सकता है। मेसी को देखकर लगा कि वे अपने देश के सच्चे राजदूत हैं। हां, किसी महान खिलाड़ी के आगमन को राजनीतिक रंग देने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। मेसी से फुटबॉल और दूसरे खेलों के दिग्गज खिलाड़ियों का मिलना तो सौहार्द और प्रेरणा देने वाली बात है, पर फिल्मी सितारों और राजनीतिज्ञों का क्या काम था? बहरहाल, भारत के लोकप्रिय क्रिकेट-सितारे महेंद्रसिंह धोनी या विराट कोहली भी मेसी की तरह अपना ब्रांड विश्व पटल पर स्थापित कर सकते हैं। वर्ष के आरम्भ में एनबीए स्टार लेब्रॉन जेम्स और करी ने चीन का एकल दौरा किया था। जेम्स के दौरे को नाइकी ने स्पॉन्सर किया था और उसे द फॉरएवर किंग टूर का नाम दिया था। लियोनल मेसी इस कड़ी में और आगे बढ़ गए हैं, जिसमें ब्रांड व्यक्ति से भी बड़ा धन बन जाता है। इसीलिए तो उन्हें ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) कहा जाता है। हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं तो मातृभाषा में बात करने से कतराते हैं। अपनी भाषा के सम्मान को संस्कृति व स्वाभिमान को कायम रखने का प्रयास कहा जा सकता है। मेसी को देखकर लगा वे स्पैनिश के सच्चे राजदूत हैं।

सियासत में हाई कमान संस्कृति से हम क्या समझें

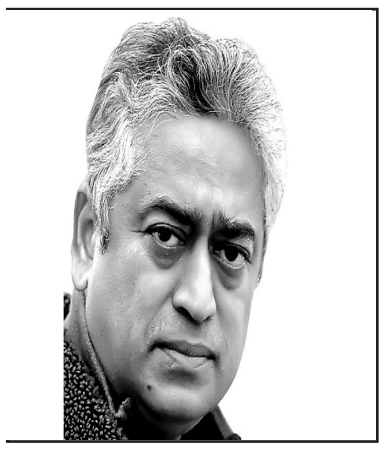

> बिहार के बाहर शायद ही किसी ने उन पर इससे पहले ध्यान दिया होगा। लेकिन अब उन्हें भाजपा का उभरता सितारा बताया जा रहा है। कौन बनेगा अध्यक्ष को लेकर चल रही तमाम राजनीतिक अटकलों में उनका उल्लेख दूर-दूर तक कहीं नहीं था। और अचानक उनके नाम का ऐलान कर दिया गया। नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय के बाहर उन्हें माला पहनाने के लिए भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता और नेता जुट गए, हालांकि कुछ ने यह भी स्वीकार किया कि उनको पहचानने में उन्हें थोड़ी मुश्किल हुई। और इसके बावजूद इस चयन के खिलाफ पार्टी में असहमति की एक आवाज नहीं उठी। एक नेता ने कहा, हम एक अनुशासित पार्टी हैं। अनुशासित? शायद। लेकिन लोकतांत्रिक? शायद इतनी नहीं। क्योंकि नवीन के चयन का फैसला किसी व्यापक आंतरिक परामर्श की प्रक्रिया से नहीं निकला था, बल्कि यह लगभग पूरी तरह से हाई कमान द्वारा तय किया गया था। भाजपा हाई कमान के एकतरफा फैसलों की तुलना कांग्रेस नेतृत्व की उस हिचकिचाहट से कीजिए, जो बेंगलुरु में अब भी इस सवाल पर उलझा हुआ है कि सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहें या उनकी जगह डीके शिवकुमार को दी जाए। 2022 को याद कीजिए, जब कांग्रेस का हाई कमान अशोक गहलोत को पार्टी अध्यक्ष पद संभालने के लिए राजी नहीं कर पाया था। आज भी, जब शशि थरूर जैसे हाई-प्रोफाइल सांसद अहम मुद्दों पर पार्टी लाइन से अलग राय रखते हैं, तो कांग्रेस हाई कमान कोई खुले टकराव की राह नहीं अपनाता।

राजदीप सरदेसाई

इस हफ्ते भाजपा ने 45 वर्षीय नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुना। बिहार के बाहर शायद ही किसी ने उन पर इससे पहले ध्यान दिया होगा। लेकिन अब उन्हें भाजपा का उभरता सितारा बताया जा रहा है। कौन बनेगा अध्यक्ष को लेकर चल रही तमाम राजनीतिक अटकलों में उनका उल्लेख दूर-दूर तक कहीं नहीं था। और अचानक उनके नाम का ऐलान कर दिया गया। नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय के बाहर उन्हें माला पहनाने के लिए भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता और नेता जुट गए, हालांकि कुछ ने यह भी स्वीकार किया कि उनको पहचानने में उन्हें थोड़ी मुश्किल हुई। और इसके बावजूद इस चयन के खिलाफ पार्टी में असहमति की एक आवाज नहीं उठी। एक नेता ने कहा, हम एक अनुशासित पार्टी हैं। अनुशासित? शायद। लेकिन लोकतांत्रिक? शायद इतनी नहीं। क्योंकि नवीन के चयन का फैसला किसी व्यापक आंतरिक परामर्श की प्रक्रिया से नहीं निकला था, बल्कि यह लगभग पूरी तरह से हाई कमान द्वारा तय किया गया था। भाजपा हाई कमान के एकतरफा फैसलों की तुलना कांग्रेस नेतृत्व की उस हिचकिचाहट से कीजिए, जो बेंगलुरु में अब भी इस सवाल पर उलझा हुआ है कि सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहें या उनकी जगह डीके शिवकुमार को दी जाए। 2022 को याद कीजिए, जब कांग्रेस का हाई कमान अशोक गहलोत को पार्टी अध्यक्ष पद संभालने के लिए राजी नहीं कर पाया था। आज भी, जब शशि थरूर जैसे हाई-प्रोफाइल सांसद अहम मुद्दों पर पार्टी लाइन से अलग राय रखते हैं, तो कांग्रेस हाई कमान कोई खुले टकराव की राह नहीं अपनाता। अनुशासित? नहीं तो। लोकतांत्रिक? हां, कुछ हद तक। कम से कम आज कांग्रेस में गांधी परिवार से सवाल करने की गुंजाइश कहीं ज्यादा है। अलबत्ता यह अब भी नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस रातों-रात पूरी तरह से लोकतांत्रिक संगठन बन गई है या भाजपा ने अचानक पुराने दौर की कांग्रेस जैसी निर्णय-प्रक्रिया अपना ली है। सच्चाई यह है कि हाई कमान संस्कृति व्यक्ति-केंद्रित राजनीति की उपज होती है, जहां आंतरिक लोकतंत्र से ऊपर सत्ता को पूजा जाता है। एक दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर रहने के कारण कांग्रेस का हाई कमान अब इतना कमजोर पड़ चुका है कि उसके प्रति भय का तत्व कैडर में लगभग खत्म हो गया है। इसके ठीक उलट, भाजपा इसी कालखण्ड में तेजी से मजबूत हुई है।

जब तक चुनाव मोदी के नाम पर जीते जा रहे हों और शाह को चाणक्य के रूप में पेश किया जाता हो, तब तक भला किसी को यह चिंता क्यों होने लगी कि पार्टी के भीतर कोई वास्तविक संवाद है या नहीं? आखिरी बार भाजपा के संसदीय बोर्ड ने कब किसी राष्ट्रीय मुद्दे पर सार्थक चर्चा की थी? या राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कब कोई गंभीर बहस देखने को मिली थी? मुख्यमंत्री चुनने से लेकर पार्टी की रणनीति तय करने तक, अब हर रास्ता हाई कमान के दरवाजे पर जाकर खत्म होता है। राजस्थान और गुजरात में पहली बार के विधायकों को मुख्यमंत्री बना देने के निर्णयों से भी यही झलका था। एक मायने में भाजपा ने अपना हाई कमान मॉडल इंदिरा गांधी से ही सीखा है। आखिर दिल्ली से मुख्यमंत्री चुनने और क्षेत्रीय क्षत्रपों से बिना सवाल किए सहमति जताने की अपेक्षा रखने की कला इंदिरा ने ही निपुणता से साधी थी। 1982 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में बाबासाहेब भोसले का चयन तो अब इस राज्य की राजनीतिक किंवदंतियों में शुमार है। बैरिस्टर भोसले का न कोई जनाधार था, न अति-महत्त्वाकांक्षा, फिर भी कई वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया गया था। कई अनुभवी राजनीतिक पत्रकारों को भी अंतिम क्षण में उनके बारे में पर्याप्त जानकारी जुटाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ी थी। पर एक मामले में भाजपा हाई कमान कांग्रेस से अलग है। मोदी-शाह ने इसका इस्तेमाल पार्टी के भीतर पीढ़ीगत बदलाव लाने के लिए किया है। आज लगभग सभी भाजपा मुख्यमंत्री पचास की उम्र के आसपास हैं, जिससे पार्टी यह दावा कर सकती है कि उसका चेहरा अपेक्षाकृत युवा है। इसके उलट, कांग्रेस अब भी वयोवृद्ध नेताओं के बीच फंसी हुई है, जो सेवानिवृत्त होने को तैयार नहीं।

नीतीश और भाजपा का नकाब खिंच गया

> हिजाब खींचने की अभद्रता की। एक पल को इस घटना को हिंदू-मुस्लिम नजरिए से हटकर देखें तो यह वैसा ही कुकृत्य है मानो किसी महिला का घूंघट उसकी अनुमति के बिना उठा देना या किसी का दुपट्टा खींच देना। हद तो यह है कि इस घटना पर माफी मांगना तो दूर नीतीश कुमार या उनकी पार्टी जेडीयू या उनकी सहयोगी भाजपा ने अब तक इस पर अफसोस तक नहीं जताया है। बल्कि इसे मामूली घटना बताकर चलता किया जा रहा है। मुख्यमंत्री को बचाने के लिए कहा जा रहा है कि वे यह देख रहे थे कि जिसे नियुक्ति पत्र मिल रहा है, वह सही व्यक्ति है या नहीं। इससे ज्यादा लचर तर्क नहीं हो सकता, क्योंकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जाने से पहले बाकायदा कई स्तरों पर सुरक्षा होती है, पहचान पत्र देखे जाते हैं और जिन्हें नियुक्ति पत्र मिलना था, वो कौन हैं, इसकी भी शिनाख्त हुई होगी। अगर नीतीश कुमार को फिर भी पड़ताल करनी थी, तो वे नुसरत परवीन को हिजाब हटाने कह सकते थे, लेकिन खुद बढ़कर हिजाब खींचना अक्षम्य है।कांग्रेस ने तो इस मुद्दे पर नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग की है। राजद,पीडीपी, सपा समेत कई दल नीतीश कुमार की आलोचना कर रहे हैं। जबकि अखिल भारतीय मुस्लिम महिला पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अंबर ने नीतीश कुमार से इस्तीफा मांगा है, साथ ही न्यायपालिका को इस मामले में दखल देने की अपील की है।दूसरी तरफ उत्तरप्रदेश में केबिनेट मंत्री संजय निषाद ने तो नीतीश कुमार के बचाव में कह दिया कि बुर्का उतरने पर इतना बवाल हो गया, अगर कहीं और छू देते तो क्या होता। वो भी तो आदमी ही है ना। संजय निषाद के इस बयान पर भी विपक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई है।

बिहार में 15 दिसंबर को एक ऐसी घटना घटी जिसने महिला अस्मिता की रक्षा के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र दे रहे थे। इस दौरान अपना नियुक्ति पत्र लेने आई महिला डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब उन्होंने सबके सामने मंच पर ही खींच लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया और कोई संदेह नहीं कि नीतीश कुमार ने पूरे होशो हवास में हिजाब पहनी महिला का अपमान किया। हिजाब खींचने की अभद्रता की। एक पल को इस घटना को हिंदू-मुस्लिम नजरिए से हटकर देखें तो यह वैसा ही कुकृत्य है मानो किसी महिला का घूंघट उसकी अनुमति के बिना उठा देना या किसी का दुपट्टा खींच देना। हद तो यह है कि इस घटना पर माफी मांगना तो दूर नीतीश कुमार या उनकी पार्टी जेडीयू या उनकी सहयोगी भाजपा ने अब तक इस पर अफसोस तक नहीं जताया है। बल्कि इसे मामूली घटना बताकर चलता किया जा रहा है। मुख्यमंत्री को बचाने के लिए कहा जा रहा है कि वे यह देख रहे थे कि जिसे नियुक्ति पत्र मिल रहा है, वह सही व्यक्ति है या नहीं। इससे ज्यादा लचर तर्क नहीं हो सकता, क्योंकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जाने से पहले बाकायदा कई स्तरों पर सुरक्षा होती है, पहचान पत्र देखे जाते हैं और जिन्हें नियुक्ति पत्र मिलना था, वो कौन हैं, इसकी भी शिनाख्त हुई होगी। अगर नीतीश कुमार को फिर भी पड़ताल करनी थी, तो वे नुसरत परवीन को हिजाब हटाने कह सकते थे, लेकिन खुद बढ़कर हिजाब खींचना अक्षम्य है।कांग्रेस ने तो इस मुद्दे पर नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग की है। राजद,पीडीपी, सपा समेत कई दल नीतीश कुमार की आलोचना कर रहे हैं। जबकि अखिल भारतीय मुस्लिम महिला पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अंबर ने नीतीश कुमार से इस्तीफा मांगा है, साथ ही न्यायपालिका को इस मामले में दखल देने की अपील की है।दूसरी तरफ उत्तरप्रदेश में केबिनेट मंत्री संजय निषाद ने तो नीतीश कुमार के बचाव में कह दिया कि बुर्का उतरने पर इतना बवाल हो गया, अगर कहीं और छू देते तो क्या होता। वो भी तो आदमी ही है ना। संजय निषाद के इस बयान पर भी विपक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई है। समाजवादी पार्टी की नेता सुमैया राणा ने इस टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए लखनऊ के कैसरबाग थाने में नीतीश कुमार और संजय निषाद दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी। जिसके बाद संजय निषाद का कहना है कि उनकी बात को गलत संदर्भों में लिया गया। वे तर्क दे रहे हैं कि भाषा पर पूर्वांचल

के प्रभाव से उनकी बात को गलत समझ लिया गया। मान लें कि संजय निषाद को ठीक तरीके से नहीं समझा गया, लेकिन हिजाब खींचने को उन्होंने गलत नहीं माना, यह तो जाहिर ही है।संजय निषाद ने कहा है कि इस मामले पर राजनीति की जा रही है। नीतीश कुमार के काम को जनता जानती और समझती है। जनता बार-बार उन्हें समर्थन दे रही है और मुख्यमंत्री बना रही है। उन्होंने जो काम किया है, वह जनता के सामने है। आगे भी जनता ही तय करेगी कि उन्हें समर्थन देना है या नहीं। यानी महिला के अपमान पर आपत्ति जताने को राजनीति कहा जा रहा है। और बार-बार जीतने या 10 बार मुख्यमंत्री बन जाने का यह अर्थ कतई नहीं है कि नीतीश कुमार को किसी के भी साथ, कैसा भी व्यवहार करने की छूट मिली है। जीत किसी को भी मयार्दा भंग करने की इजाजत नहीं देती।नीतीश कुमार ने पहली बार महिला विरोधी कार्य नहीं किया है। विधानसभा के भीतर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की अभद्र तरीके से आलोचना की थी, इससे पहले जब वे राजद के सहयोग से मुख्यमंत्री थे, तब नवंबर 2023 में राज्य विधानसभा में जनसंख्या नियंत्रण और महिला शिक्षा के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने विवादित बयान दिया था। उस समय उनके विरोध में बैठी भाजपा ने नीतीश कुमार के बयान को शर्मनाक और भद्दा बताते हुए माफी की मांग की थी, लेकिन आज भाजपा को नीतीश कुमार की हरकत पर कोई शर्मिंदगी नहीं है। महिला आयोग भी इस मुद्दे पर चुप है। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक राष्ट्रीय महिला आयोग या राज्य महिला आयोग ने नीतीश कुमार पर कोई एक्शन नहीं लिया है।वहीं इस घटना की पीड़ित डॉक्टर नुसरत ने सरकारी नौकरी न करने का फैसला किया है। और घटना के अगले दिन ही वे बिहार छोड़कर कोलकाता चली गई हैं। उनके भाई ने बताया कि, श्उसने नौकरी न करने का पक्का मन बना लिया है। लेकिन, मैं और परिवार के सभी लोग उसे अलग-अलग तरीकों से मनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम उसे यह भी समझा रहे हैं कि यह गलती किसी और की है। हमारा कहना है कि किसी और की गलती के लिए उसे क्यों बुरा महसूस करना चाहिए या तकलीफ उठानी चाहिए।श बता दें कि डॉक्टर नुसरत परवीन के पति एक कॉलेज में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के तौर पर काम करते हैं। नुसरत परवीन ने कहा कि मैं यह नहीं कह रही हूं कि मुख्यमंत्री ने जानबूझकर ऐसा किया, लेकिन जो हुआ वह मुझे अच्छा नहीं लगा।

मनोरंजन

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए कर्नाटक की टीम घोषित

बंगलूरू। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में खिलाड़ियों को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के निर्देश दिए थे। अब केएल राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा और देवदत्त पडिक्कल को कर्नाटक टीम में शामिल किया गया है। कर्नाटक ने विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूनार्मेंट के लिए टीम घोषित कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की नीति के तहत केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और प्रसिद्ध कृष्णा को इस टूनार्मेंट के लिए कर्नाटक टीम में जगह मिली है। बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेटरों को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने का निर्देश दिया है। मयंक अग्रवाल के नेतृत्व में उतरेगी टीम कर्नाटक को ग्रुप ए में झारखंड, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, त्रिपुरा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के साथ रखा गया है। टीम अपने लीग मैच अहमदाबाद में खेलेगी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के नॉकआउट में टीम के नहीं पहुंचने के बावजूद मयंक अग्रवाल को कप्तान बनाए रखा गया है।

कौन हैं निधि अग्रवाल? आठ साल में कीं आठ फिल्में, अब 14 साल बड़े प्रभास संग करेंगी रोमांस

द राजा साब में प्रभास के साथ नजर आने वाली अभिनेत्री निधि अग्रवाल इस वक्त चर्चाओं में बनी हुई हैं। वजह है उनका एक वायरल वीडियो, जिसमें वो भीड़ का शिकार हो गईं। यहां जानिए कौन हैं निधि अग्रवाल और उनके बारे में सबकुछ सोशल मीडिया पर अभिनेत्री निधि अग्रवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो हैदराबाद में हुए प्रभास और निधि की फिल्म द राजा साब के गाने के लॉन्च इवेंट के बाद का है। निधि इवेंट से निकलकर वापस जा रही थीं, तभी वहां मौजूद भीड़ उन पर इस तरह से टूट पड़ी कि एक्ट्रेस लोगों के बीच में फंस गईं। हालांकि, किसी भी तरह से सिक्योरिटी गार्ड्स ने निधि को उनकी कार तक पहुंचाया। इस वीडियो के सामने आने के बाद अब लोग भीड़ पर नाराजगी जता रहे हैं। आइए जानते हैं निधि अग्रवाल के बारे में हिंदी परिवार में जन्मीं निधि तमिल-तेलुगु और कन्नड़ भी जानती हैं 17 अगस्त 1993 को हैदराबाद में जन्मीं निधि अग्रवाल बंगलूरू में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई भी बंगलूरू से ही की है। हिंदी भाषी मारवाड़ी परिवार में पैदा होने वाली निधि तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा भी बोल लेती हैं और समझ भी लेती हैं। टाइगर श्रॉफ की फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में रखा कदम साल 2014 में मिस दीवा यूनिवर्स में हिस्सा लेने वाली निधि अग्रवाल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत साल 2017 में की। निधि ने बॉलीवुड की फिल्म मुन्ना माइकल से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। टाइगर श्रॉफ स्टारर इस फिल्म के लिए निधि का चयन 300 कैंडिडेट के ऑडिशन के बाद हुआ था। 2018 में तेलुगु और 2021 में तमिल सिनेमा में किया डेब्यू बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद निधि ने साल 2018 में नागा चैतन्य के साथ फिल्म सब्यसाची से तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरूआत की।

धर्मेंद्र की प्रेयर मीट में भीड़ देख हैरान रह गए थे मनोज देसाई, हेमा मालिनी को लेकर बोले- अच्छा हुआ वह नहीं आईं

साल 2025 ने जाते-जाते हमसे हिंदी सिनेमा का शानदार सितारा भी छीन लिया। 24 नवंबर को धर्मेंद्र के निधन की खबर से पूरे देशभर में शोक की लहर दौड़ गई। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने दो अलग-अलग प्रार्थना सभाएं आयोजित की, जिसमें अलग-अलग सेलेब्स पहुंचे थे। वहीं, अब हाल ही में थिएटर मालिक मनोज देसाई ने धर्मेंद्र की प्रेयर मीट के बारे में बात की, जो सनी देओल द्वारा आयोजित सभा में शामिल हुए थे। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज देसाई ने बताया कि दिवंगत धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा में वह सैकड़ों लोगों के साथ लाइन में लगे थे और सनी देओल से मिलने से पहले उन्हें बहुत देर इंतजार करना पड़ा था। उन्होंने बताया, श्गाड़ियों की बहुत लंबी लाइन लगी हुई थी। मेरी गाड़ी 86वें नंबर पर खड़ी थी। मेरे आगे और पीछे बड़ी-बड़ी गाड़ियां थीं। प्रार्थना सभा में भजन गाए गए और पूरी दुनिया के लोग वहां मौजूद थे। हर कोई प्रार्थना सभा में आया था। मेरी मुलाकात सनी देओल से हुई और मैंने उनसे कहा कि बहुत सारे लोग आ रहे हैं, इसलिए मैं सामने वाले गेट से निकल जाऊंगा। उन्होंने कहा कि आने के लिए शुक्रिया। बाहर इतनी लंबी लाइन लगी थी कि मैं 45 मिनट तक अपनी गाड़ी का इंतजार करता रहा। मनोज देसाई ने बताया कि उन्होंने धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा में जितनी भीड़ देखी, उतनी भीड़ उन्होंने किसी और कलाकार की प्रार्थना सभा में कभी नहीं देखी थी। एक्टर ने कहा, श्मैं राजेश खन्ना की प्रार्थना सभा समेत कई एक्टर्स की प्रार्थना सभाओं में गया हूं, जिसमें मैं अमिताभ बच्चन के बगल में बैठा था। मैं यश चोपड़ा की प्रार्थना सभा में भी गया था, लेकिन मैंने धरम जी की प्रार्थना सभा जैसी कोई प्रार्थना सभा कभी नहीं देखी। ऐसा लगा जैसे पूरा देश वहां मौजूद था। ऐसा कोई नहीं था जो आना नहीं चाहता था। मनोज देसाई ने कहा, मुझे हेमा जी के न आने पर आश्चर्य नहीं हुआ। किसी भी विवाद या ऐसी किसी बात के होने से पहले ही उन्होंने उनके लिए अलग से प्रार्थना सभा का आयोजन कर दिया था। अच्छा हुआ कि वह नहीं आईं। हेमा और धर्मेंद्र जी बहुत करीबी थे, लेकिन अगर किसी ने उन्हें कुछ कह दिया होता, तो पूरी प्रार्थना सभा गड़बड़ हो जाती।

मुंबई में जंगल का जादू, वेलकम टू द जंगल के क्लाइमैक्स की भव्य शूटिंग

वेलकम टू द जंगल के निमार्ताओं ने इसके भव्य क्लाइमैक्स के लिए मुंबई में एक शानदार जंगल की दुनिया रच दी है, निर्देशक अहमद खान ने शूट से एक मजेदार बीटीएस साझा किया। फिल्ममेकर अहमद खान ने बहुप्रतीक्षित वेलकम टू द जंगल के लिए शहर के कुछ हिस्सों को घने जंगल में तब्दील कर दिया है। उन्होंने फिल्म के शूट से एक मजेदार बीटीएस तस्वीर साझा की, जिसने इस मेगा क्लाइमैक्स शूट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्म के हाई-ऑक्टेन

क्लाइमैक्स की शूटिंग शहर के पाँच सावधानीपूर्वक चुने गए लोकेशंस पर शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, रवीना टंडन, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पटानी, लारा दत्ता, तुषार कपूर सहित कई अन्य कलाकारों की एक भव्य स्टारकास्ट नजर आएगी। क्लाइमैक्स शूट के बाद, पूरे कलाकारों के साथ एक इंट्रोडक्टरी सॉन्ग की शूटिंग जनवरी के दूसरे सप्ताह में की जाएगी। इसके साथ ही वेलकम टू द जंगल की शूटिंग अगले साल की शुरूआत में आधिकारिक तौर पर पूरी होने की उम्मीद है। बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप द्वारा प्रस्तुत वेलकम टू द जंगल, जिसका निर्माण फिरोज ए. नाडियाडवाला ने किया है और निर्देशन अहमद खान ने किया है।

पायल गेमिंग के सपोर्ट में आईं अंजलि अरोड़ा, बयां किया अपना दर्द; कहा- आज भी हो रहा नुकसान

पायल गेमिंग कथित एमएमएस वीडियो के वायरल होने को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा ने उनका सपोर्ट किया है। उन्होंने अपना दर्द भी बयां किया है। इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर पायल गेमिंग इन दिनों कथित एमएमएस के चलते सुर्खियों में हैं। बताया जाता है कि वायरल एमएमएस वीडियो में पायल गेमिंग हैं। हालांकि उन्होंने दावा किया है कि यह एमएमएस उनका नहीं है। इस मामले पर अब एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा की प्रतिक्रिया सामने आई है। अंजलि अरोड़ा ने अपने साथ हुए इसी तरह के एक मामले को याद किया है। उनके मुताबिक ऐसे झूठ का दर्द लड़कियां वर्षों तक झेलती हैं जबकि इसे फैलाने वाले इसके बारे में नहीं सोचते हैं। अंजलि अरोड़ा ने याद किया अपना दर्द पायल गेमिंग के मामले को लेकर अंजलि अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। उन्होंने लिखा 'तीन साल पहले मैंने एक फेक एमएमएस वायरल होने का दर्द झेला था। वही चीजें आज पायल के साथ होता देख वह दर्द ताजा हो गया है। लोगों को एहसास नहीं कि उनकी प्रतिक्रिया कितनी नुकसान पहुंचाती है। उनके लिए यह एक मिनट का मनोरंजन है, लेकिन हमारे लिए यह वर्षों का दर्द बन जाता है। झूठे विवादों के चलते मुझे कई प्रोजेक्ट से निकाल दिया गया। आज भी मुझे इसका नुकसान झेलना पड़ रहा है।' आज भी दुर्व्यवहार का सामना

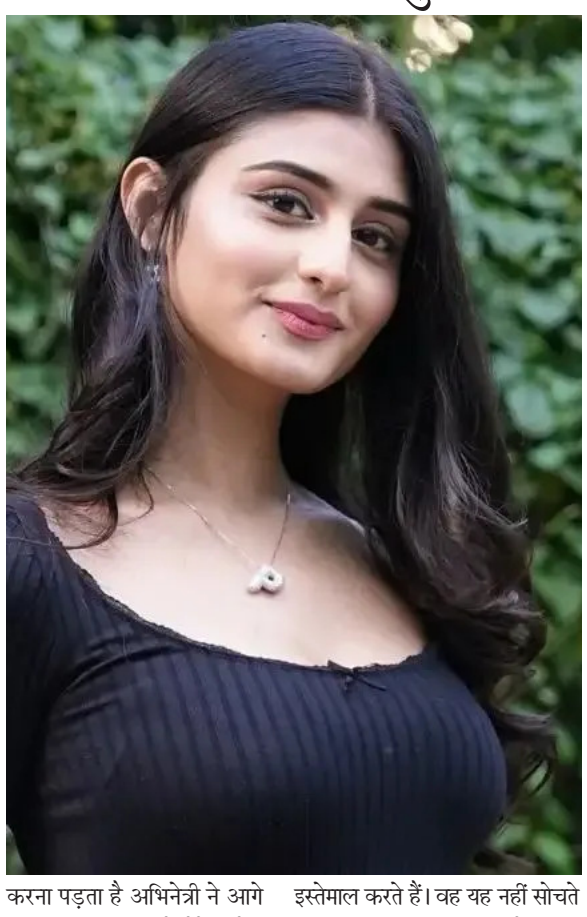

करना पड़ता है अभिनेत्री ने आगे लिखा 'अभी भी मुझे मेरे कमेंट सेक्शन में दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। लोग गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वह यह नहीं सोचते कि मुझ पर इसका क्या असर पड़ेगा। यह परेशान करने वाली बात है कि लोग झूठी चीजों पर तुरंत यकीन कर लेते हैं।

'उसकी हरकत देखकर मैं हैरान रह गई', कास्टिंग काउच पर छलका 'बिग बॉस 19' फेम मालती चाहर का दर्द

'बिग बॉस 19' में वाइल्ड कार्ट कंटेस्टेंट रहीं मालती चाहर ने अब हाल ही में कास्टिंग काउच को लेकर शॉकिंग खुलासा किया है। मालती ने उनके साथ हुए बुरे अनुभव को साझा किया है। 'मैंने उसे साइड हग की और उसने मुझे किस करने की कोशिश की। उसने बदतमीजी की और मैंने उसे सूत-समेत वापस दिया।' ये कहना है बिग बॉस 19 फेम मालची चाहर का जिन्होंने हाल ही में अपने साथ हुए खौफनाक अनुभव को साझा किया। क्या है मामला, चलिए जानते हैं। 'बिग बॉस 19' में अपनी मजबूत पर्सनालिटी से लगभग फिनाले में अपनी जगह बना चुकी मालती चाहर अब शो से बाहर आने के बाद भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में मालती ने अपने करियर से जुड़ा एक ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के उस काले सच की ओर फिर से ध्यान खींच लिया, जिस पर अक्सर खुलकर बात नहीं होती। मालती ने अपने साथ हुए कास्टिंग काउच को लेकर खुलासा किया है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं। जब कास्टिंग काउच का शिकार हुईं मालती भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे एक सीनियर फिल्ममेकर से मुलाकात

उनके लिए डरावना अनुभव बन गई। उन्होंने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब वह एक प्रोजेक्ट को लेकर लगातार मीटिंग्स कर रही थीं। मालती के मुताबिक, काम खत्म होने के बाद उन्होंने शिष्टाचार के तौर पर सामने वाले को साइड हग किया, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने उन्हें अंदर तक हिला दिया। मालती ने क्या कुछ कहा? इस घटना पर बात करते हुए मालती ने कहा, 'मैं नाम नहीं लूंगी लेकिन मैंने उसे साइड हग की और उसने मुझे किस करने की कोशिश की। उसने बदतमीजी की और मैंने उसे सूत-समेत वापस दिया। तो मेरे साथ ये पहली घटना थी जो हुई। ये एक डायरेक्टर थे। वो बहुत उम्रदराज थे और मैं हैरान रह गई कि ये आखिर हुआ क्या।' मालती ने बताया कि सीनियर फिल्ममेकर को इस तरह से हरकत करते देखना हैरानी भरा था। कुछ सेकंड तक उन्हें समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन उन्होंने तुरंत खुद को संभाला और वहां से दूरी बना ली।

जब दीपिका बनीं मस्तानी: 10 साल बाद भी जहन में ताजा हैं ये 7 आइकॉनिक लुक्स

दस साल बाद भी मस्तानी इसलिए यादों में बसी है क्योंकि दीपिका पादुकोण ने इस किरदार को सिर्फ अभिनय से नहीं, बल्कि अपनी मौजूदगी से जिया। हर फ्रेम में उनकी शांति, शाही गरिमा और गहरी खूबसूरती साफ दिखती थी। दीपिका ने मस्तानी के कपड़े सिर्फ पहने नहीं, बल्कि उन्हें गर्व, ठहराव और स्वाभाविक शाही अंदाज के साथ अपनाया। उनकी स्थिरता बहुत कुछ कहती थी, उनकी नजर में अधिकार झलकता था और उनका संयम हर लुक को बनावटी नहीं, बल्कि सजीव बनाता था। बाजीराव मस्तानी आज भी दृश्यात्मक भव्यता का एक मानक मानी जाती है, और मस्तानी की वेशभूषा हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार कॉस्ट्यूम यात्राओं में से एक है। हर पोशाक ने दीपिका की प्राकृतिक सुंदरता को और निखारा, किरदार में गरिमा, ताकत और भावनात्मक गहराई जोड़ी। पेश हैं मस्तानी के सात शाही लुक्स, जो आज भी मंत्रमुग्ध कर देते हैं-

1. सफेद रंग की शांति

साफ सफेद पोशाक में हल्के सुनहरे काम के साथ दीपिका बेहद दिव्य और सशक्त दिखीं। कम गहनों और सादे कट ने उनके शांत भाव और सुंदर मुद्रा को उभरने दिया। यह लुक मस्तानी के दर्द और दृढ़ निश्चय को शांति से दिखाता है।

2. लाल घूंघट का विद्रोह

गहरे लाल रंग में लिपटी दीपिका में शक्ति और तीव्रता झलकती है। घूंघट मुकुट की तरह चेहरे को घेरता है, जबकि भारी गहने और नथ उनकी रानी जैसी आभा को और मजबूत बनाते हैं। यह रंग उनके व्यक्तित्व में आदेशात्मक असर लाता है।

3. बैंगनी शाही गरिमा

समृद्ध बैंगनी रंग में दीपिका शाही नजाकत की मिसाल बनीं। कीमती रंग, बारीक कढ़ाई और विरासत जैसे गहनों ने उनकी सुंदरता को ऊँचा उठाया। उनका संयम और सहज चाल इस लुक को कालजयी बनाती है।

4. मिंट-ग्रीन की राजसी सादगी

नरम मिंट-ग्रीन रंग, मोतियों और सुनहरे आभूषणों के साथ दीपिका की कोमल सुंदरता उभरती है। बहता कपड़ा उनकी काया को खूबसूरती से ढालता है और शांत भाव इस लुक को शाही ठहराव देते हैं।

5. तलवार और सफेद का संदेश यह लुक अपनी प्रतीकात्मकता के लिए यादगार है। तलवार के साथ दीपिका की दृढ़ मुद्रा शालीनता और योद्धा-भाव को जोड़ती है। उनका आत्मविश्वास इसे सम्मान, ताकत और स्वाभिमान का प्रतीक बनाता है। 6. दरबार की लाल साड़ी शाही दरबार के लिए बनी यह गहरी लाल साड़ी दीपिका की भव्य मौजूदगी को और उभारती है। सधा हुआ पल्लू, सीमित गहने और समृद्ध कपड़ा उन्हें एक गरिमामयी, शांत और प्रभावशाली रानी बनाता है।

तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के ट्रेलर लॉन्च से पहले कार्तिक ने लिया भगवान का आशीर्वाद, दोनों हाथ जोड़ प्रार्थना करते दिखे एक्टर

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी ये फिल्म महज कुछ दिनों में ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। वहीं, हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च से पहले एक्टर ने भगवान से आशीर्वाद लिया और इसकी एक झलक फैंस को भी दिखाई। तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के ट्रेलर रिलीज से पहले कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह भगवान के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कार्तिक सिंपल कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं। आंखें बंद कर, पूरे मन से वह भगवान के सामने प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। इस फोटो को शेयर कर एक्टर ने कैप्शन लिखा- आज दिल में विश्वास के साथ। फैंस एक्टर की इस फोटो को जमकर लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बात करें कार्तिक की फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की तो यह क्रिसमस के मौके यानी 25 दिसंबर को पर्दे पर रिलीज होने जा रही है।

उथप्पा ने बुमराह के कार्यभार प्रबंध का समर्थन किया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कार्यभार प्रबंध जरूरी है। बुमराह फिलहाल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंध को लेकर हमेशा की चर्चा होती रहती है। अब इस मामले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने भी राय रखी है और बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट का समर्थन किया है। उथप्पा का मानना है कि बुमराह का एक्शन और तेज गति उनके शरीर पर अत्यधिक दबाव डालती है और उन्हें पूरी तरह से फिट रखने के लिए उनका कार्यभार का प्रबंधन करना बेहद जरूरी हो जाता है। वनडे सीरीज से दिया गया था आराम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में बुमराह को आराम दिया गया था और उन्होंने पांच मैचों की टी20 सीरीज में वापसी की। बुमराह के वर्कलोड को लेकर कई बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की आलोचना की गई है, लेकिन उथप्पा ने इसका समर्थन किया है। उथप्पा ने कहा, बुमराहबेमिसाल मैच विजेता हैं और उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है।

सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी

दुनिया। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए मरीज को लिखित आवेदन करना होगा, जिसे मंजूरी देने के लिए भी कई नियम तय किए गए हैं। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क में सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी मिलने जा रही है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होसुल ने बताया कि डॉक्टरों की देखरेख में गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चिकित्सीय आत्महत्या करने को कानूनी वैधता देने पर सहमत बन गई है। अगले साल इस कानून पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। गौरतलब है कि चिकित्सीय आत्महत्या में कोई डॉक्टर जानलेवा ड्रग का सुझाव देते हैं, लेकिन मरीज को खुद इसे लेकर अपनी जीवन लीला समाप्त करनी होती है। वहीं इच्छामृत्यु की बात करें तो इच्छामृत्यु में डॉक्टर ही जानलेवा ड्रग का सुझाव देते हैं और डॉक्टर ही उस दवाई या इंजेक्शन को मरीज को देते हैं। अगले साल हस्ताक्षर के साथ

बन जाएगा कानून गवर्नर ने कहा, न्यूयॉर्क 'सुरक्षा उपायों' के साथ मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने जा रहा है। बुधवार को गवर्नर और राज्य के कानूनी जानकारों के बीच हुए एक समझौते के तहत, न्यूयॉर्क गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने वाला राज्य बनने जा रहा है। डेमोक्रेटिक गवर्नर कैथी होसुल ने बताया कि वह बिल में कई सुरक्षा उपायों को जोड़ने पर जोर देने के बाद अगले साल इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रही हैं। क्या है कानून में प्रावधान अमेरिका में करीब एक दर्जन राज्यों में मेडिकल सहायता से आत्महत्या की अनुमति देने वाले कानून हैं। हाल ही में इलिनोइस राज्य में भी हाल ही में ऐसा कानून बना है, जिस पर अगले साल हस्ताक्षर होंगे। न्यूयॉर्क के 'मेडिकल एड इन डाइंग एक्ट' के अनुसार, यह जरूरी है कि एक गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति, जिसके छह महीने के भीतर मरने की उम्मीद है, वह जीवन समाप्त करने वाली दवाओं के लिए लिखित अनुरोध करे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोगी पर कोई दबाव नहीं डाला जा रहा है, दो गवाहों को अनुरोध पर हस्ताक्षर करने होंगे। इसके बाद अनुरोध को व्यक्ति के इलाज करने वाले डॉक्टर के साथ-साथ एक सलाहकार डॉक्टर द्वारा भी अनुमोदित किया जाना होगा। कुछ प्रावधानों को जोड़ने पर बनी सहमति गवर्नर ने कहा कि बिल के प्रायोजकों और कानूनी जानकारों ने ऐसे प्रावधान जोड़ने पर सहमति व्यक्त की है जिसमें एक मेडिकल डॉक्टर से पुष्टि की जरूरत होगी कि व्यक्ति के पास वास्तव में जीने के लिए छह महीने से कम समय बचा है, साथ ही एक मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से पुष्टि की जाएगी कि रोगी निर्णय लेने में सक्षम है और उस पर कोई दबाव नहीं है। बुधवार को होसुल ने कहा कि इस बिल को सपोर्ट करना गवर्नर के तौर पर उनके सबसे मुश्किल फैसलों में से एक था। उन्होंने कहा, 'मैं कौन होती हूं जो आपको या आपके किसी अपने को, जो ज़िंदगी के आखिरी समय में जिस चीज की मांग रहे हैं, उसे देने से मना करूं? मैं अब ऐसा और नहीं कर सकती थी। यह कानून पहली बार साल 2016 में पेश किया गया था, लेकिन न्यूयॉर्क स्टेट कैथोलिक कॉन्फ्रेंस और दूसरे संगठनों के विरोध के कारण वर्षों तक अटका रहा। कैथोलिक संगठन ने तर्क दिया कि यह कदम इंसानी जिंदगी की कीमत कम करेगा और एक डॉक्टर की भूमिका को भी कमजोर करेगा।

खालिदा जिया की हालत अभी भी गंभीर बांग्लादेश की पूर्व ढट के स्वास्थ्य पर डॉक्टरों ने दिया अपडेट

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख खालिदा जिया की हालात अभी भी गंभीर है। फिलहाल ढाका के एक अस्पताल में खालिदा जिया का इलाज चल रहा है। उनके निजी चिकित्सक एजेडएम जाहिद हुसैन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 80 वर्षीय खालिदा जिया का इलाज एवरकेयर हॉस्पिटल में चल रहा है। उन्हें 23 नवंबर को कई स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में शिफ्ट किया गया। वेंटिलेटर पर भी रखी गई थीं खालिदा जिया डॉक्टरों के अनुसार, 11 दिसंबर को खालिदा जिया को वेंटिलेटर पर रखा गया ताकि उनके फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम दिया जा सके। डॉक्टर हुसैन ने बताया कि उन्हें लगातार जरूरी इलाज दिया जा रहा है और उनकी हालत पिछले कुछ दिनों से स्थिर बनी हुई है। उन्होंने कहा, 'उनकी स्थिति गंभीर है लेकिन स्थिर है। हमें उम्मीद है कि वह धीरे-धीरे ठीक होंगी और भविष्य में देश की राजनीति में अपनी भूमिका निभा सकेंगी।

चीन में भी छाया कोहरा अरबों डॉलर और वर्षों की मेहनत के बावजूद खतरनाक हुआ वायु प्रदूषण

बीजिंग। कई वर्षों की मेहनत के बाद चीन ने वायु प्रदूषण पर काबू पाया था और इसे लेकर भारत में भी चीन की तरह उपाय अपनाने की चर्चा होती थी, लेकिन गुरुवार को अचानक से चीन की हवा की गुणवत्ता भी खराब रही और कई शहरों में धुंध छाई रही। गुरुवार को चीन में घना कोहरा छाया हुआ है,

जिससे चीन के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब स्तर पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि चीन ने अरबों डॉलर खर्च कर और कई वर्षों की मेहनत के बाद वायु प्रदूषण की समस्या दूर की थी, लेकिन गुरुवार को चीन की इस पूरी मेहनत के बावजूद वायु प्रदूषण का सामना करना पड़ा। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को देश के कुछ हिस्सों में भारी कोहरे के चलते येलो अलर्ट जारी किया, जिसमें कहा गया कि गुरुवार को हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगकिंग के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की उम्मीद है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए चीन ने किए कई उपाय चीन में वायु प्रदूषण और कोहरे की समस्या आजकल दुर्लभ है क्योंकि चीन की सरकार ने साल 2016 में वायु प्रदूषण दूर करने के लिए कई बड़े कदम उठाए थे। इसके तहत सरकार ने भारी प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद करने और स्थानांतरित करने सहित कई कदम उठाए और इस काम पर अरबों डॉलर खर्च किए। अधिकारियों का कहना है कि शहर में सर्दियों में कोयले से चलने वाले हीटिंग सिस्टम की जगह प्राकृतिक गैस या इलेक्ट्रिक पब्लिक हीटिंग सिस्टम अपनाने से प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद मिली है। वायु गुणवत्ता में सुधार का दिख रहा असर नई दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण संकट के चलते चीन के इस समस्या से निपटने के प्रयास इन दिनों सुर्खियों में रहे हैं, लेकिन गुरुवार को चीन की इस छवि को धक्का लगा, जब वहां भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब रही। चीन के पर्यावरण विभाग के प्रमुख चेन तियान ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में चीन ने पर्यावरण की दिशा में अहम सुधार किए हैं। इसके चलते बीजिंग में पक्षियों की आबादी भी बढ़ गई है और कई दुर्लभ पक्षी चीन में देखे जा सकते हैं।

कार लेकर बॉन्डी बीच जा रहे थे संदिग्ध पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले में हनुक्का उत्सव मनाते 15 लोग मारे गए थे। इस हमले में शामिल पिता-पुत्र की जोड़ी का भारत से भी कनेक्शन सामने आया था। हैदराबाद के रहने वाले साजिद अकरम ने 27 साल पहले भारत छोड़ दिया था। बॉन्डी बीच आतंकी हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी क्रम में विक्टोरिया से आ रही एक कार को सिडनी के दक्षिण-पश्चिम इलाके में रोका गया। भारी हथियारों से लैस न्यू साउथ वेल्स पुलिस की टीम ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। ये सभी लोग अज्ञात कारणों से बॉन्डी बीच जा रहे थे। संडे मॉर्निंग हेराल्ड की खबर के मुताबिक इन लोगों के हथियारों से लैस होने की भी संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक ये लोग लिवरपूल से विक्टोरियन नंबर प्लेट वाली एक सफेद हैचबैक कार से आ रहे थे। इसी दौरान पुलिस टीम ने उनकी कार को टक्कर मार कर रोक दिया। पुलिस की टीम ने पांच लोगों को पकड़कर फुटपाथ पर खींच

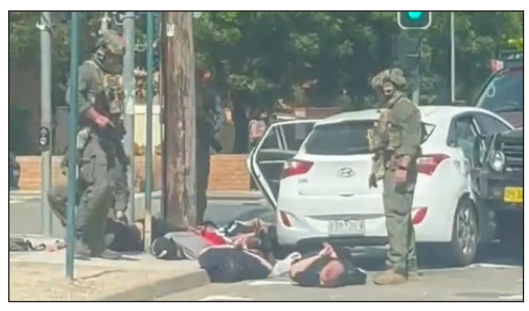

लिया और उन्हें हथकड़ी लगा दी। इस ऑपरेशन की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि कार में एक हथियार मिलने की संभावना है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार इन लोगों का बॉन्डी बीच जाने का मकसद साफ नहीं था। सूत्रों के मुताबिक इस समूह को इसलिए संदिग्ध माना गया क्योंकि विक्टोरिया के अधिकारी इन्हें जानते थे। वहीं, कुछ गलियों की दूरी पर एक दूसरी हैचबैक कार को रोका गया, जिस पर विक्टोरियन नंबर प्लेट लगी हुई थी और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने एक बयान में कहा कि अभियान खत्म हो गया है और लोगों को अब कोई खतरा नहीं है। बयान में कहा गया है कि पुलिस को इनका बॉन्डी आतंकी हमले की मौजूदा पुलिस जांच से कोई संबंध नहीं मिला है। यह अभियान इस सूचना पर चलाया गया था कि संभवतः एक हिंसक कृत्य की योजना बनाई जा रही थी। सोशल मीडिया पर वायरल फुटेज में गुरुवार दोपहर को जॉर्ज स्ट्रीट और कैंपबेल स्ट्रीट के चौराहे पर पांच पुरुषों को सड़क और फुटपाथ पर लेटे हुए देखा जा सकता है। गिरफ्तारी के बाद इन लोगों को कतार में खड़ा किया गया था।

भारत ने ढाका में वीजा सेंटर का काम फिर से शुरू किया दो अन्य जगहों पर काम निलंबित

ढाका। भारत ने गुरुवार को ढाका में अपने वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) में काम फिर से शुरू कर दिया। सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे बुधवार को बंद कर दिया गया था, लेकिन बांग्लादेश में स्थिति दो अन्य जगहों पर काम को निलंबित रखा गया है। दक्षिण-पश्चिमी खुलना और उत्तर-पश्चिमी राजशाही में भारतीय वीजा आवेदन केंद्र को भी सुरक्षा चिंताओं के कारण बंद कर दिया गया था। बांग्लादेश में पांच वीजा आवेदन केंद्र हैं। ढाका, खुलना और राजशाही के अलावा, दो अन्य उत्तर-पूर्वी बंदरगाह शहर चट्टोग्राम और उत्तर-पूर्वी सिलहट में हैं। ढाका के जमुना

फ्यूचर पार्क में स्थित वीजा आवेदन केंद्र राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए एकीकृत केंद्र है। वीजा केंद्र से जुड़े अधिकारी ने बताया, ढाका में भारतीय वीजा आवेदन केंद्र अब चालू है और सामान्य रूप से काम कर रहा है। उच्चायोग ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आईवीएसी गुरुवार को खुलना और राजशाही में अपने दो केंद्र बंद कर दिए है। इसस पहले ढाका स्थित केंद्र ने बुधवार को बढ़ते तनाव के बीच अस्थायी रूप से बंद होने की घोषणा की थी, जब भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह भारतीय उच्चायोग की ओर बढ़ रहा था। कल विदेश मंत्रालय ने उच्चायुक्त को किया था तलब इससे पहले बुधवार को विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया था। भारत ने कुछ चरमपंथी तत्वों के ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के एलान को लेकर अपनी कड़ी चिंता जताई थी। विदेश मंत्रालय ने हामिदुल्लाह को तलब करने के तुरंत बाद कहा था, बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर चरमपंथी तत्वों की ओर से गढ़ी जा रही झूठी कहानी को भारत पूरी तरह खारिज करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरिम सरकार ने न तो गहन जांच की है और न ही इन घटनाओं के संबंध में भारत के साथ कोई सार्थक सबूत साझा किए हैं। मंत्रालय ने कहा था, हम अंतरिम सरकार से यह अपेक्षा करते हैं कि वह अपने राजनयिक दायित्वों के अनुरूप बांग्लादेश में मिशनों और दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। विदेश मंत्रालय ने कहा था, उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को लेकर भारत की गहरी चिंताओं से अवगत कराया गया। उनका ध्यान विशेष रूप से कुछ चरमपंथी तत्वों की गतिविधियों की ओर दिलाया गया, जिन्होंने ढाका स्थित भारतीय दूतावास के आसपास असुरक्षा का माहौल पैदा करने की योजना का एलान किया। भारत बांग्लादेश में शांति और स्थिरता का पक्षधर है। इसमें कहा गया है, भारत के बांग्लादेश के लोगों के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिनकी जड़ें मुक्ति संघर्ष में हैं और विभिन्न विकासात्मक एवं जन-संबंधी पहलों के माध्यम से मजबूत हुए हैं। इसमें आगे कहा गया है, हम बांग्लादेश में शांति और स्थिरता के पक्षधर हैं और हमने लगातार शांतिपूर्ण वातावरण में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और विश्वसनीय चुनाव कराने का आह्वान किया है।

अमेरिकी सेना का ड्रग तस्करों पर बड़ा हमला

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करी के खिलाफ अभियान तेज करते हुए एक संदिग्ध जहाज पर हमला किया। इस हमले में चार कथित नार्को-आतंकवादी मारे गए। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन सदर्न स्पीयर' के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में सक्रिय मादक पदार्थ गिरोहों पर नकेल कसना है। सेना ने कार्रवाई की वीडियो भी जारी की। अमेरिकी का नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। इस बीच अमेरिकी सेना ने बुधवार को पूर्वी प्रशांत महासागर से गुजर रहे एक जहाज पर हमला किया। इस हमले में चार कथित 'नारको-आतंकवादी' मारे गए। यह ऑपरेशन सदर्न स्पीयर का एक हिस्सा है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने इस क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी

पर अंकुश लगाने के लिए शुरू किया गया है। कैसे हुआ हमला? इसकी जानकारी देते हुए अमेरिकी दक्षिणी कमान (जो लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में अमेरिका की सैन्य गतिविधियों की देखरेख करती है) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए पोस्ट में लिखा '17 दिसंबर को युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के निर्देश पर, संयुक्त टास्क फोर्स सदर्न स्पीयर ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक नामित आतंकवादी संगठन द्वारा संचालित पोत पर घातक सैन्य हमला किया। खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई कि पोत पूर्वी प्रशांत महासागर में एक ज्ञात मादक पदार्थों की तस्करी मार्ग से गुजर रहा था और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। इस हमले में कुल चार पुरुष मादक पदार्थों के तस्कर मारे गए और अमेरिकी सेना का कोई भी जवान हताहत नहीं हुआ।' पहले भी हुई है कार्रवाई इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी दक्षिणी कमान ने बताया कि उसने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित तीन जहाजों पर घातक हमले किए, जिसमें आठ कथित नार्को-आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा सीएनएन ने अमेरिकी दक्षिणी कमान के एक अलग बयान का हवाला देते हुए बताया कि इस महीने की शुरूआत में, 4 दिसंबर को अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक अन्य संदिग्ध मादक पदार्थों से भरे जहाज पर हमला किया, जिसमें जहाज पर सवार चार लोग मारे गए। इन हमलों में अब तक 95 लोग मारे गए अमेरिकी सेना के मुताबिक, अभियान शुरू होने के बाद से अब तक संदिग्ध ड्रग नौकाओं को निशाना बनाकर किए गए हमलों में कम से कम 95 लोग मारे गए हैं। इससे पहले ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को सूचित किया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका मादक पदार्थों के गिरोहों के साथ 'सशस्त्र संघर्ष' में है, जिसकी शुरूआत 2 सितंबर को पहले हमले से हुई थी। वेनेजुएला पर बढ़े गा अमेरिकी दबाव यह सैन्य अभियान वेनेजुएला पर अमेरिका के व्यापक दबाव का हिस्सा है, जिसमें कैरिबियन सागर में हजारों सैनिकों और एक विमानवाहक पोत की तैनाती के साथ-साथ वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बार-बार चेतावनी देना शामिल है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह अमेरिका ने वेनेजुएला के तेल परिवहन में मदद करने के आरोपी जहाजी कंपनियों और जहाजों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की। बता दें कि यह घटना वेनेजुएला के तट से एक प्रतिबंधित टैंकर को जब्त किए जाने के एक दिन बाद हुई।

क्या अमेरिका ने मानी भारत से संबंध की अहमियत

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नेतृत्व में पैक्स सिलिका पहल में भारत शामिल नहीं है, लेकिन वह आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में उसे संभावित रणनीतिक साझेदार मानता है। अमेरिक विदेश मंत्रालय के अवर सचिव ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए वह रोजाना बातचीत कर रहे हैं। अमेरिका के नेतृत्व वाली नई रणनीतिक पहल 'पैक्स सिलिका' में भले ही भारत को शामिल नहीं किया गया है। लेकिन वॉशिंगटन ने कहा कि वह आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में भारत को 'अत्यंत रणनीतिक संभावित भागीदार' के रूप में देखता है और नई दिल्ली के साथ बातचीत का स्वागत करता है। आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने बुधवार को विदेशी पत्रकारों से कहा कि अमेरिका, भारत के साथ आर्थिक सुरक्षा सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर लगातार बातचीत कर रहा है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने 'पैक्स सिलिका' नाम की रणनीतिक पहल का एलान किया, जिसका मकसद सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार-आधारित बनाना है। यह पहल खनिज, ऊर्जा, आधुनिक विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, एआई ढांचा और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी है। इस पहल में जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड, ब्रिटेन, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। लेकिन इसमें भारत को शामिल नहीं किया गया। क्वाड देशों में केवल भारत को छोड़ अन्य सभी इस पहल का हिस्सा हैं। हेलबर्ग ने माना कि भारत को पैक्स सिलिका में शामिल न किए जाने को लेकर 'काफी अटकलें' थीं। लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका अमेरिका-भारत के बीच मौजूदा राजनीतिक तनाव से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, भारत के साथ व्यापार से जुड़ी वार्ता और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा पर बातचीत पूरी तरह अलग हैं। हम भारत को इस क्षेत्र में अत्यंत रणनीतिक संभावित भागीदार मानते हैं और उनके साथ सहयोग करने के अवसर का स्वागत करते हैं।

यूक्रेन को अरबों डॉलर देने की तैयारी यूरोपीय संघ के नेताओं की आज अहम बैठक

ब्रुसेल्स। यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य मदद देने पर विचार करने के लिए यूरोपीय संघ की गुरुवार को अहम बैठक होने वाली है। इस बैठक में रूस की जब्त संपत्ति को भी यूक्रेन को देने पर विचार किया जा सकता है। यूरोपीय संघ के नेता गुरुवार को एक अहम बैठक करेंगे। इस बैठक में यूक्रेन को अरबों डॉलर की आर्थिक मदद और सैन्य सहायता देने पर सहमति बन सकती है। यूरोपीय संघ द्वारा दी जाने वाली आर्थिक मदद अगले दो साल तक यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित कर सकेगी। यूरोपीय संघ की बैठक में अप्रवासन, यूरोपीय संघ की नीति, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर भी चर्चा होगी, लेकिन यूक्रेन को फंडिंग देने का मुद्दा सबसे अहम है। ब्रुसेल्स में होगी बैठक यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बताया, 'ये हम पर है कि हम ये तय करें कि यूक्रेन को लड़ाई में कैसे वित्तीय मदद करनी है। हम इसकी तुरंत जरूरत को समझते हैं और इसे साफ देख सकते हैं।' यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा गुरुवार को बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में होने वाली बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब तक यूरोपीय संघ के नेता किसी समझौते पर नहीं पहुंच जाते, तब तक चर्चा होगी फिर चाहे इसमें कितने ही दिन क्यों न लग जाएं।' रूस की जब्त संपत्ति, यूक्रेन को देने पर भी किया जा रहा विचार कई यूरोपीय नेताओं ने कहा कि यूरोप में जब्त किए गए रूस के 10 अरब यूरो की रकम को यूक्रेन की आर्थिक और सैन्य मदद देने में इस्तेमाल किया जाए। हालांकि कई यूरोपीय नेता इसके खिलाफ भी हैं, उनका कहना है कि इस कदम में कई खतरे हैं। यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने भी चेतावनी दी है कि अगर यूरोपीय देश, दूसरे देशों की रकम को इस तरह से जब्त करेंगे तो इससे यूरो की क्षमता कमजोर होगी। कई यूरोपीय देशों ने आशंका जताई है कि इस कदम के चलते रूस, यूरोप पर हमला भी कर सकता है। बेल्जियम ने योजना का किया विरोध बेल्जियम के सबसे ज्यादा जब्त संपत्ति है और बेल्जियम ही इस योजना का सबसे ज्यादा विरोध कर रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।